RNI No. : TNHIN/2013/52520 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 266 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » शुक्रवार » 24-04-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 भाजपा के चुनाव जीतने के बाद बंगाल में कोई घुसपैठ नहीं कर पाएगा : अमित शाह

6 क्या फिलहाल युद्ध का खतरा टला?

7 ओटीटी के दौर में बदला भारतीय सिनेमा का चेहरा : पल्लवी चटर्जी

फर्स्ट टेक

इन्फोसिस का चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ 21 प्रतिशत बढ़कर 8,501 करोड़ रुपए

नई दिल्ली/भाषा। सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी इन्फोसिस का वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 20.8 प्रतिशत बढ़कर 8,501 करोड़ रुपए रहा। कंपनी ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए आय में 1.5 से 3.5 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान जताया है। यह उम्मीद वित्तीय सेवाओं, जन उपयोगी सेवाओं और कृत्रिम मेधा आधारित सेवाओं में बढ़ती मांग पर आधारित है। कंपनी प्रबंधन ने कहा कि वर्ष की शुरुआत अच्छी रही, हालांकि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण आर्थिक माहौल में कुछ बदलाव देखने को मिला, लेकिन अब स्थिति धीरे-धीरे स्थिर होती दिख रही है।

फ्रांस ने अपने हवाई अड्डों से भारतीयों के लिए वीजा-मुक्त पारगमन शुरू किया

नई दिल्ली/भाषा। हवाई मार्ग से होकर फ्रांस से गुजरने वाले भारतीयों को अब पारगमन वीजा की आवश्यकता नहीं होगी, क्योंकि फ्रांसीसी सरकार ने इस आवश्यकता को समाप्त करने के लिए एक समझौते को लागू कर दिया है। विदेश मंत्रालय ने यह जानकारी दी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यहां अपनी साप्ताहिक प्रेस वार्ता में यह घोषणा करते हुए कहा कि भारत इस कदम का स्वागत करता है। बाद में विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि फ्रांस के यूरोपीय क्षेत्र से होकर गुजरने वाले भारतीय नागरिकों के लिए वीजा-मुक्त पारगमन की व्यवस्था अब फ्रांसीसी सरकार द्वारा लागू कर दी गई है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह निर्णय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों द्वारा द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने की गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

यूरोपीय संघ ने यूक्रेन के लिए 106 अरब डॉलर का ऋण मंजूर किया

ब्रसेल्स/एपी। हंगरी द्वारा अपना 'वीटो' वापस लेने के बाद, यूरोपीय संघ ने बृहस्पतिवार को यूक्रेन को अगले दो वर्षों के लिए उसकी आर्थिक और सैन्य जरूरतों को पूरा करने में मदद के वास्ते 106 अरब अमेरिकी डॉलर के ऋण पैकेज को मंजूरी दे दी। यूरोपीय संघ (ईयू) ने यूक्रेन पर रूस के युद्ध को लेकर उसके खिलाफ नए प्रतिबंधों को भी मंजूरी दे दी है। इन उपायों को इस साल की शुरुआत में तैयार किया गया था और संघर्ष का चौथा साल पूरा होने पर फरवरी में इनकी घोषणा की जानी थी, लेकिन हंगरी और स्लोवाकिया ने इस कदम का विरोध किया। जनवरी में पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने के बाद रूस द्वारा यूरोपीय संघ के इन दोनों देशों को तेल की आपूर्ति रोक दिए जाने के चलते हंगरी और स्लोवाकिया का यूक्रेन के साथ विवाद हो गया था।

सूर्यास्त 24-04-2026 6:22 बजे	सूर्योदय 25-04-2026 5:51 बजे
BSE 77,664.00 (-852.49)	NSE 24,173.05 (-205.05)
सोना 15,810 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 255,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

सर्वधर्म समभाव

अगर सभी पढ़ कर समझें,
रामायण बाइबिल और कुरान।
गुरुवाणी का भी करें पाठ,
महावीर बुद्ध पर धरें ध्यान।
समझें यदि सबका सार तत्व,
वैदिक वैज्ञानिक सोच जान।
समभाव और समरसता से,
जानें भारत है क्यों महान।।

पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु में आजादी के बाद से अब तक का सबसे अधिक मतदान

■ पश्चिम बंगाल में प्रथम चरण में दर्ज किया गया 91.78 प्रतिशत मतदान

■ तमिलनाडु में दर्ज किया गया 84.69 प्रतिशत मतदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ दोनों राज्यों में, पुरुषों की तुलना में महिला मतदाताओं ने अधिक संख्या में अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

नई दिल्ली/भाषा। बृहस्पतिवार को पश्चिम बंगाल में 91.78 प्रतिशत और तमिलनाडु में 84.69 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया, जो स्वतंत्रता के बाद से विधानसभा चुनावों में इन दोनों राज्यों में अब तक का सबसे उच्चतम मतदान प्रतिशत है।

तमिलनाडु में जहां एक ही चरण में चुनाव हुए, वहीं पश्चिम बंगाल में दो चरणों में मतदान होगा। बंगाल में दूसरे चरण का मतदान 29 अप्रैल को होगा।

नौ अप्रैल को असम और पुडुचेरी ने क्रमशः 85.38 प्रतिशत और 89.83 प्रतिशत मतदान दर्ज करके, इन दोनों राज्यों में अब तक की सबसे अधिक चुनावी भागीदारी का रिकॉर्ड तोड़ा था।

निर्वाचन आयोग (ईसी) के अनुसार, इससे पहले तमिलनाडु में सबसे अधिक मतदान प्रतिशत 78.29 प्रतिशत (2011 के विधानसभा चुनाव) और पश्चिम बंगाल में 84.72 प्रतिशत (2011) था।

दोनों राज्यों में, पुरुषों की तुलना में महिला मतदाताओं ने अधिक संख्या में अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

तमिलनाडु में महिलाओं की भागीदारी 85.76 प्रतिशत दर्ज की गई, जबकि पुरुषों की भागीदारी 83.57 प्रतिशत थी।

पश्चिम बंगाल में 92.69 प्रतिशत महिला मतदाताओं ने मतदान केंद्रों पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जबकि पुरुषों का प्रतिशत 90.92 रहा।

मतदान में हुई प्रभावशाली भागीदारी पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने कहा, स्वतंत्रता के बाद से पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में अब तक के सबसे अधिक मतदान प्रतिशत के लिए, निर्वाचन आयोग दोनों राज्यों के प्रत्येक मतदाता को सलाम करता है।

भाजपा ने तमिलनाडु में मतदान में हुई भारी वृद्धि का श्रेय एसआईआर को दिया

चेन्नई/भाषा। भाजपा नेता नारायणन तिरुपति ने बृहस्पतिवार को कहा कि तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में मतदान में हुई वृद्धि का श्रेय निर्वाचन आयोग के सुधारों को जाता है और यह उच्च मतदान प्रतिशत मजबूत लोकतांत्रिक भावना को दर्शाने के साथ ही राजग के लिए जीत का एक आत्मविश्वासपूर्ण मार्ग भी दिखाता है। तिरुपति ने 'पीटीआई-वीडियो' से कहा, ''इसका पूरा श्रेय एसआईआर (मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण) को जाता है। भारत निर्वाचन आयोग प्रशंसा का पात्र है। हमने बिहार, असम, पश्चिम बंगाल, केरल और अब पुडुचेरी तथा तमिलनाडु में यह देखा है। इसलिए, उसे पूरा श्रेय जाता है।'' उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने पहले इन सुधारों का विरोध किया था, उन्हें अब खुद को ''शर्मिंदा'' महसूस करना चाहिए क्योंकि नागरिकों ने ''बहुत बड़ी संख्या में'' अपने मताधिकार का प्रयोग किया है।

बंगाल में मतदान के आंकड़े 'परिवर्तन के लिए शानदार जनादेश' : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कृष्णानगर/मथुरापुर/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण में बड़ी संख्या में वोट देने के लिए राज्य की जनता को बधाई दी और मतदान के अब तक के आंकड़ों को ''परिवर्तन के लिए शानदार जनादेश'' का संकेत बताया।

प्रधानमंत्री मोदी ने नदिया जिले के कृष्णानगर में एक चुनावी रैली में कहा कि निर्वाचन आयोग इस बात के लिए बधाई का पात्र है कि उसने चुनाव में हिंसा पर काफी हद तक रोक लगाई।

राज्य की 294 सदस्यीय विधानसभा के लिए प्रथम चरण के चुनाव के तहत बृहस्पतिवार को 152 सीटों पर मतदान हुआ। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया के तहत 90 लाख से अधिक नाम मतदाता सूचियों से हटाये जाने के बाद यह चुनाव हो रहा है। मोदी ने रैली में कहा, ''बंगाल में पिछले 50 वर्षों के चुनावी इतिहास में यह पहली बार है कि हिंसा की घटनाएं न्यूनतम रहीं। मतदान के बारे में अब तक मुझे जो जानकारी मिली है, उससे मुझे पूरा विश्वास है कि यह बंगाल के मतदाताओं द्वारा बदलाव के पक्ष में एक शानदार जनादेश होगा।''

लोकतंत्र में भागीदारी करें युवा

राजनीति से दूर रहकर देश का भला नहीं होगा : बिरला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बृहस्पतिवार को कहा कि युवाओं को लोकतंत्र में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए क्योंकि राजनीति से दूर रहकर देश का भला संभव नहीं है तथा अच्छे लोगों का लोकतांत्रिक संस्थाओं में आना जरूरी है।

बिरला ने दिल्ली विश्वविद्यालय के दो महाविद्यालयों किरोड़ीमल कॉलेज और महाराज अग्रसेन कॉलेज में अलग-अलग कार्यक्रमों को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि शिक्षा को केवल रोजगार प्राप्ति तक सीमित न रखते हुए उसे सामाजिक उत्तरदायित्व, समावेशिता तथा चरित्र निर्माण का सशक्त माध्यम बनाया जाना चाहिए। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वे अपनी आकांक्षाओं को व्यापक राष्ट्रीय दृष्टि के साथ समन्वित करें तथा लोकतंत्र में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

लोकसभा अध्यक्ष का कहना था कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 आलोचनात्मक चिंतन तथा शैक्षणिक लचीलेपन को प्रोत्साहित करते हुए एक परिवर्तनकारी युग का सूत्रपात कर रही है। उन्होंने कहा कि ज्ञान और कौशल निस्संदेह आवश्यक हैं, किन्तु इनके साथ सुदृढ़ नैतिक मूल्यों, सत्यनिष्ठा और धैर्य का समावेश भी उतना ही अनिवार्य है, जिससे स्थायी और सार्थक सफलता सुनिश्चित की जा सके। बिरला ने इन महाविद्यालयों में समावेशी पहलों की सराहना करते हुए कहा कि आधुनिक प्रौद्योगिकी एवं कौशल विकास के माध्यम से दृष्टिबाधित विद्यार्थियों को सशक्त बनाकर संस्थान समतामूलक शिक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। उन्होंने छात्रों से न केवल अपने चुने हुए क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने की सलाह दी, बल्कि देश की लोकतांत्रिक और विकास यात्रा की जिम्मेदारी संभालने का आग्रह भी किया । उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि 'विकसित भारत 2047' का लक्ष्य युवाओं के विजन, नवाचार और प्रतिबद्धता से ही प्राप्त होगा।

सोशल मीडिया पर विवादित रीपोस्ट के बाद ट्रंप ने कहा, भारत महान देश

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिका ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक विवादित सोशल मीडिया रीपोस्ट के बाद बृहस्पतिवार को स्पष्टीकरण से मामले को संभालने की कोशिश की। अमेरिका की ओर से कहा गया कि राष्ट्रपति ट्रंप का मानना है कि भारत एक ''महान'' देश है, जिसका नेतृत्व उनके ''अच्छे मित्र'' कर रहे हैं। अमेरिकी दूतावास के प्रवक्ता ने कहा, ''राष्ट्रपति ने कहा है कि भारत एक महान देश है, जिसके शीर्ष पर उनके बहुत अच्छे मित्र हैं।'' प्रवक्ता का यह बयान भारतीय मीडिया के उन सवालों के जवाब में आया, जिनमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा सोशल मीडिया पर की गई एक रीपोस्ट से पैदा हुए विवाद के बारे में पूछा गया था। उस रीपोस्ट में रेडियो शो होस्ट माइकल सैवेज की टिप्पणियां शामिल थीं, जिसमें भारत, चीन और कुछ अन्य देशों को ''नरक'' कहा गया था। प्रवक्ता ने यह स्पष्ट नहीं किया कि ट्रंप ने भारत को एक महान देश बताने वाली टिप्पणी कहां और कब की थी।

सहानुभूति व सत्यनिष्ठा से सेवा करें चिकित्सा पेशेवर : उपराष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ पिछले एक दशक में देशभर, विशेषकर वंचित क्षेत्रों में नए एम्स संस्थानों की स्थापना से गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा और चिकित्सा शिक्षा तक पहुंच मजबूत हुई है।

ऋषिकेश/भाषा। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने बृहस्पतिवार को कहा कि स्वास्थ्य सेवा जनहित का विषय है और चिकित्सा पेशेवरों को सहानुभूति, सत्यनिष्ठा तथा राष्ट्र निर्माण के प्रति प्रतिबद्धता के साथ अपनी सेवाएं देनी चाहिए। उन्होंने यहां अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स)-ऋषिकेश के छठे दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि चिकित्सा पेशेवरों की राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका है। राधाकृष्णन ने निवारक देखभाल, ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंच, अनुसंधान और नवाचार के माध्यम से योगदान देने तथा सेवा के मूल्यों से प्रेरित रहने का आह्वान किया। राधाकृष्णन ने कहा कि दीक्षांत समारोह वर्षों के परिश्रम और अनुशासन की परिणति होने के साथ-साथ समाज और राष्ट्र के प्रति बड़ी जिम्मेदारी की शुरुआत भी है। उन्होंने स्नातकों से समर्पण और उद्देश्य की भावना के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने का आग्रह किया।

कोविड-19 महामारी का उल्लेख करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में 140 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त टीके लगाए गए, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं तक समान पहुंच सुनिश्चित हुई। उन्होंने बताया कि वैश्विक जिम्मेदारी के तहत 100 से अधिक देशों को भी टीके उपलब्ध कराए गए, जो वसुधैव कुटुंबकम की भावना को दर्शाता है और एक दयालु व जिम्मेदार वैश्विक साझेदार के रूप में भारत की भूमिका को मजबूत करती है।

स्वास्थ्य अवसंरचना के विस्तार पर उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में देशभर, विशेषकर वंचित क्षेत्रों में नए एम्स संस्थानों की स्थापना से गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा और चिकित्सा शिक्षा तक पहुंच मजबूत हुई है।

भारत-अफ्रीका साझेदारी अशांत विश्व में स्थिरता का संदेश देगी : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बृहस्पतिवार को कहा कि ऐसे वक्त में जब दुनिया जटिल भू-राजनीतिक चुनौतियों का सामना कर रही है, भारत-अफ्रीका साझेदारी का विशेष महत्व है और यह एक अशांत और अनिश्चित दुनिया में 'स्थिरता' तथा 'विश्वसनीयता' का संदेश देगी।

जयशंकर ने आगामी 'भारत-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन-4' के लोगो, थीम और वेबसाइट के अनावरण के अवसर पर एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि भारत और अफ्रीका न केवल विकास साझेदार हैं, बल्कि ''एक बेहतर दुनिया को आकार देने में भी साझेदार'' हैं।

उनकी ये टिप्पणियां दुनिया के विभिन्न हिस्सों में हो रहे कई संघर्षों की पृष्ठभूमि में आई हैं, जिनमें पश्चिम एशिया का संघर्ष भी शामिल है जो 50 से अधिक दिन से जारी है और वैश्विक स्तर पर असर डाल रहा है।

आगामी शिखर सम्मेलन के लोगो में भारत और अफ्रीका के आपस में जुड़े हुए मानचित्रों को दर्शाने वाली छवि पर एक शेर की आकृति अंकित है। इसका विषय 'स्थायी साझेदारी साझा दृष्टिकोण' है और शिखर सम्मेलन 28 से 31 मई तक होगा।

विदेश मंत्री ने कहा, ''ऐसे वक्त में जब दुनिया जटिल भू-राजनीतिक और भू-आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रही है, हमारी साझेदारी का विशेष महत्व है। यह अशांत दुनिया में स्थिरता, अनिश्चितता में विश्वसनीयता और कठिन समय में एकजुटता का संदेश होगा।''

इस कार्यक्रम में विभिन्न अफ्रीकी देशों के कई राजदूतों और राजनयिकों ने भाग लिया।

जयशंकर ने इस बात पर भी जोर दिया कि भारत ने हाल के वर्षों में अफ्रीका में 17 नए मिशन खोलकर अपनी राजनयिक उपस्थिति का विस्तार किया है, जिससे अफ्रीका में भारतीय मिशनों की संख्या 46 हो गई है। जयशंकर ने कहा कि आज अफ्रीका भारत की विदेश नीति में अहम स्थान रखता है। विदेश मंत्री ने कहा कि भारत-अफ्रीका संबंध हमारे सभ्यतागत संबंधों पर आधारित हैं, जो सदियों से सांस्कृतिक आदान-प्रदान और लोगों के बीच संबंध के माध्यम से विकसित हुए हैं। उन्होंने कहा, ''उपनिवेशवाद के खिलाफ संघर्ष में भारत ने अफ्रीकी देशों के प्रति एकजुटता दिखाई थी।

पिछली बीजद सरकार ने पुरी मंदिर के रत्न भंडार की चाबियों में हेराफेरी की थी : ओडिशा के मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। पुरी स्थित जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार की सुरक्षा को लेकर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और विपक्षी पार्टी बीजू जनता दल (बीजद) के बीच राजनीतिक घमासान बृहस्पतिवार को और तेज हो गया। कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने आरोप लगाया कि पिछली सरकार ने मूल चाबी खो जाने के बाद खजाने की जाली चाबी बनवाई थी। हरिचंदन की ये टिप्पणी बीजद के वरिष्ठ नेता प्रणब प्रकाश दास द्वारा सोशल मीडिया पर की गई पोस्ट के जवाब में आई है, जिसमें उन्होंने भाजपा पर 2024 के लोकसभा चुनावों और राज्य विधानसभा चुनावों में जीत हासिल करने के लिए मंदिर और उसके रत्न भंडार का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया।

दास ने कहा कि जब बीजद राज्य में सत्ता में था, तब भाजपा नेताओं ने यह दावा करके लोगों को गुमराह किया था कि रत्न भंडार में भगवान जगन्नाथ के आभूषण असुरक्षित हैं। उन्होंने कहा, ''चुनाव जीतने के लिए महाप्रभु के नाम पर राजनीति करने वाले भाजपा नेता अब बेनकाब हो गए हैं। ओडिशा की जनता उन्हें जवाबदेह ठहराएगी।''

इससे कुछ दिन पहले श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) ने कहा था कि वर्तमान सूची और 1978 के रिकॉर्ड में अब तक कोई विसंगति नहीं मिली है।

दास के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए हरिचंदन ने कहा कि भाजपा ने भगवान जगन्नाथ के प्रति सम्मान के कारण इस मुद्दे का राजनीतिकरण करने से परहेज किया है। मंत्री ने कहा, ''अगर हम रत्न भंडार पर सवाल उठाएंगे तो बीजद सदस्य चुप्पी साध लेंगे। खजाने की असली चाबी कहां है? चाबियां गायब थीं। फिर बीजद सरकार ने चाबियों की जालसाजी की।

एनसीबी ने मालदीव जाने वाले भारतीयों को आगाह किया

नई दिल्ली/भाषा। स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) ने मालदीव की यात्रा पर जाने वाले भारतीयों को बृहस्पतिवार को उस देश में मादक पदार्थों से संबंधित कानूनों में हुए नए बदलावों को लेकर आगाह किया, जिसमें मृत्युदंड तक का प्रावधान शामिल है। एनसीबी ने कहा कि नए कानूनों के मद्देनजर मालदीव की यात्रा करने वाले भारतीय अपने साथ ले जाए जाने वाले सामान को लेकर बेहद सतर्कता बरतें।

पाकिस्तान को लश्कर और जैश जैसे आतंकवादी समूहों पर नकेल कसनी चाहिए : अमेरिकी सांसद

वाशिंगटन/भाषा। अमेरिकी सांसद ब्रैड शेरमैन ने पाकिस्तान से लश्कर-ए-तैयबा जैसे आतंकवादी समूहों पर नकेल कसने की मांग की है। इस आतंकवादी संगठन का संबंध 2025 के पहलगाम आतंकी हमले से बताया जाता है। भारतीय दूतावास ने आतंकवाद की मानवीय कीमत शीर्षक वाली एक प्रदर्शनी आयोजित की है जिसमें शेरमैन ने बुधवार को यह बात कही। उन्होंने पहलगाम हमले की पहली बरसी पर उन 26 निर्दोष लोगों को याद किया जिन्हें आतंकवादियों ने मौत के घाट उतार दिया था। शेरमैन ने बुधवार को कहा, '' द रेजिस्टेंस फोर्स के हमलावरों ने निर्दोष लोगों को निशाना बनाया और कथित तौर पर पीड़ितों को धर्म के आधार पर अलग किया। इस समूह को व्यापक रूप से लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा हुआ माना जाता है, जिसे पाकिस्तान में पनाह मिली हुई है।''

रैली — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की महिला मोर्चा की हिमाचल प्रदेश इकाई की अध्यक्ष डेजी ठाकुर ने सोमवार को विपक्षी दलों पर महिला आरक्षण संविधान संशोधन विधेयक के खिलाफ मतदान करने को लेकर जमकर निशाना साधा और विधेयक के गिर जाने के दिन को 'लोकतांत्रिक इतिहास का काला दिन' करार दिया। भाजपा के महिला मोर्चे द्वारा विपक्षी दलों द्वारा विधेयक के खिलाफ मतदान करने के विरोध में पदयात्रा आयोजित की गई थी। इस गई रैली में हजारों महिलाओं ने भाग लिया। इस रैली में भाजपा की हिमाचल प्रदेश इकाई के अध्यक्ष राजीव बिंदल, प्रदेश प्रभारी श्रीकांत शर्मा, सह-प्रभारी संजय टंडन और विपक्ष के नेता जय राम ठाकुर भी मौजूद थे।

नायडू ने अनकापल्ली में 5,400 करोड़ रु. की सौर विनिर्माण इकाई की आधारशिला रखी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अनकापल्ली/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने विशाखापत्तनम के पास 5,400 करोड़ रुपए के निवेश से रिन्यू सोलर के कारखाने की बृहस्पतिवार को आधारशिला रखी।

आधिकारिक बयान के अनुसार, अनकापल्ली में छह गीगावाट (एक गीगावाट बराबर 1,000 मेगावाट) सौर इन्गोट और वेफर विनिर्माण इकाई को मजबूत घरेलू सौर आपूर्ति श्रृंखला बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

जनसभा को संबोधित करते हुए नायडू ने कहा, '' अनकापल्ली जिला बड़े निवेशों के माध्यम से विकास को आकर्षित कर रहा है। यह भारत में निवेश के मामले में शीर्ष स्थान पर पहुंच जाएगा। रिन्यू 5,400 करोड़ रुपए के निवेश से 6.5 गीगावाट का इन्गोट सोलर वेफर संयंत्र स्थापित कर रहा है।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सौर ऊर्जा उत्पादन इकाई पूर्व केंद्रीय मंत्री यशवंत सिन्हा के बेटे सुमंत सिन्हा द्वारा स्थापित की जा रही है।

इन्गोट और वेफर जैसे महत्वपूर्ण उपकरणों के विनिर्माण के जरिये इस इकाई से आयात पर निर्भरता काफी कम होने और भारत की ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होने की उम्मीद है।

विज्ञप्ति के अनुसार, इस इकाई के 24 महीने के भीतर चालू होने की उम्मीद है और इससे 2,100 से अधिक प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। इससे क्षेत्र में औद्योगिक विकास और रोजगार को और बढ़ावा मिलेगा। बिजली के उपयोग के महत्व का जिक्र करते हुए नायडू ने कहा कि यह विकास के मूल्यांकन के प्रमुख मापदंडों में से एक है जिसका मतलब है कि जितना अधिक उपयोग होगा उतना ही अधिक विकास होगा। उन्होंने कहा कि दक्षिणी राज्य बड़े पैमाने पर बिजली उत्पादन संयंत्रों से संबंधित निवेश आकर्षित कर रहा है। 'सीआईआई पार्टनरशिप शिखर सम्मेलन' के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि रिन्यू ने राज्य में हजारों करोड़ रुपए का निवेश करने के लिए आगे कदम बढ़ाया और सिन्हा ने 82,000 करोड़ रुपए के निवेश को लेकर प्रतिबद्धता जतायी है। उन्होंने बताया कि कंपनी जल्द ही अनंतपुर और कुरनूल जिलों में 10,370 करोड़ रुपए की नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं को शुरू करेगी और अनंतपुर में 777 मेगावाट की पवन एवं सौर ऊर्जा सुविधा स्थापित करने के लिए भी तैयार है।

'व्हाट्सऐप यूनिवर्सिटी' से मिली जानकारी को स्वीकार नहीं कर सकते : न्यायालय ने शबरिमला मामले पर कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह सभी प्रतिष्ठित लेखकों और विचारकों के विचारों का सम्मान करता है, लेकिन वह 'व्हाट्सऐप यूनिवर्सिटी' से मिली जानकारी स्वीकार नहीं कर सकता।

नौ न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने यह टिप्पणी उस समय की, जब वह केरल के शबरिमला मंदिर सहित धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ भेदभाव और विभिन्न धर्मों द्वारा अपनाई जाने वाली धार्मिक स्वतंत्रता की सीमा एवं दायरे से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। पीठ में प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना, न्यायमूर्ति एम.एम. सुंदरेश, न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह, न्यायमूर्ति अरविंद कुमार, न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह, न्यायमूर्ति प्रसन्ना बी. वराले, न्यायमूर्ति आर. महादेवन और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची शामिल थे।

दाऊदी बोहरा समुदाय के प्रमुख की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता नीरज किशन कौल ने कांग्रेस नेता शशि थरूर द्वारा लिखे गए एक लेख का हवाला दिया, जिसमें धार्मिक राहत से जुड़े मामलों में न्यायिक संयम की बात कही गई थी। इस पर प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा, ''हम सभी प्रतिष्ठित व्यक्तियों, विधिवेत्ताओं आदि का सम्मान करते हैं, लेकिन व्यक्तिगत राय, व्यक्तिगत राय ही होती है।'' कौल ने कहा कि सभी स्रोतों से जानकारी लेने में कोई बुराई नहीं है। उन्होंने कहा, ''यदि ज्ञान और बुद्धिमत्ता किसी भी स्रोत, किसी भी देश, किसी भी विश्वविद्यालय से आती है, तो उसका स्वागत होना चाहिए। हमारी सभ्यता इतनी समृद्ध है कि हम हर प्रकार के ज्ञान और सूचना को स्वीकार कर सकते हैं।'' इस पर न्यायमूर्ति नागरत्ना ने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा, लेकिन व्हाट्सऐप यूनिवर्सिटी से नहीं।

कौल ने कहा कि वह इस बहस में नहीं पड़ रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं इस पर नहीं जा रहा कि कौन-सा विश्वविद्यालय अच्छा है या बुरा, क्योंकि यह इस बहस के लिए अप्रासंगिक है... मुद्दा सिर्फ इतना है कि जहां से भी ज्ञान और सूचना मिले, उसे स्वीकार किया जाना चाहिए। यह खबर लिखे जाने तक मामले की सुनवाई जारी थी।

परिवार की विरासत को मिटाने के लिए बारामती में 'पवार बनाम पवार' की कोशिश : रोहित पवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। राकांपा (एसपी) नेता रोहित पवार ने बृहस्पतिवार को कहा कि बारामती में कोई भी 2029 के विधानसभा चुनावों में 'पवार बनाम पवार' की लड़ाई नहीं देखना चाहता, लेकिन राकांपा से जुड़े कुछ लोग इस तरह के मुकाबले के पक्ष में प्रतीत होते हैं क्योंकि वे पवार परिवार की विरासत को समाप्त करना चाहते हैं।

रोहित परोक्ष रूप से भाजपा को निशाना बना रहे थे, जो महाराष्ट्र में 'महायुति' सरकार का नेतृत्व कर रही है और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के साथ सत्ता साझा करती है। राकांपा की कमान वर्तमान में उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार के हाथ में है, जिन्होंने जनवरी में अपने पति अजित पवार की विमान दुर्घटना में मृत्यु के बाद पार्टी की बागडोर संभाली थी। सुनेत्रा पवार बारामती उपचुनाव में 'महायुति' की उम्मीदवार के रूप में मैदान में हैं, जिसके लिए बृहस्पतिवार को मतदान हो रहा है।

वर्ष 2029 में बारामती में दिवंगत अजित पवार के बेटे जय और उनके चचेरे भाई युगेंद्र पवार के बीच संभावित मुकाबले को लेकर जारी अटकलों पर रोहित पवार ने कहा, ''बारामती की जनता की इच्छा के विरुद्ध, पिछले लोकसभा और विधानसभा चुनावों में 'पवार बनाम पवार' का मुकाबला हुआ।'' बारामती उपचुनाव के लिए मतदान करने के बाद उन्होंने कहा, ''कल अगर जय उनकी पार्टी (राकांपा) से चुनाव लड़ते हैं, तो युगेंद्र पवार भी राकांपा (एसपी) से मैदान में उतर सकते हैं। ऐसे में, बारामती में 'पवार बनाम पवार' का मुकाबला हो सकता है, भले ही जनता ऐसा न चाहे।''

हरियाणा का विशेष किसानों की कठिनाइयों पर केंद्रित हो : चौटाला

चंडीगढ़/भाषा। इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) के प्रमुख अभय सिंह चौटाला ने बृहस्पतिवार को कहा कि यदि हरियाणा में विधानसभा का एक दिवसीय विशेष सत्र बुलाया जाना है, तो यह विपक्षी दलों के खिलाफ निंदा प्रस्ताव लाने के लिए नहीं, बल्कि ''किसानों द्वारा सामना की जा रही कठिनाइयों'' को दूर करने के लिए होना चाहिए।

उन्होंने दावा किया कि सरकार द्वारा गेहूं की खरीद पर कई नई शर्तें लागू की गई हैं, जिनमें मंडियों में बायोमेट्रिक सत्यापन भी शामिल है, जिससे किसानों को अत्यधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। चौटाला ने कहा कि उनकी पार्टी ने मंडियों में अपने कार्यकर्ताओं को तैनात किया है ताकि किसानों की शिकायतों के निवारण में सहायता की जा सके। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''हमने सरकार से बायोमेट्रिक सत्यापन सहित इन नई शर्तों को लागू न करने का आग्रह किया था। हालांकि, सरकार ने बायोमेट्रिक सत्यापन को अनिवार्य कर दिया। इससे किसानों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है।'' हरियाणा में 27 अप्रैल को विधानसभा के एक दिवसीय विशेष सत्र से संबंधित एक प्रश्न के उत्तर में चौटाला ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके पास विपक्ष के खिलाफ निंदा प्रस्ताव लाने का समय तो है, लेकिन किसानों के लिए समय नहीं है।

मालेगांव विस्फोट मामले में सच्चाई तक पहुंचना मुश्किल लग रहा है : उच्च न्यायालय

मुंबई/भाषा। बंबई उच्च न्यायालय ने 2006 के मालेगांव विस्फोट मामले में चार आरोपियों को बरी करते हुए और पिछली जांच एजेंसी द्वारा जुटाए गए सबूतों को ''पूरी तरह से नजरअंदाज'' करने के लिए राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) से नाराजगी जताते हुए कहा कि मामले की जांच ऐसी स्थिति में पहुंच गई है जहां अब सच्चाई तक पहुंचना मुश्किल लग रहा है।

बुधवार को आए उच्च न्यायालय के आदेश के बाद यह सवाल अनुत्तरित रह गया कि 31 लोगों की जान लेने वाले विस्फोटों के लिए आखिर जिम्मेदार कौन था।

उच्च न्यायालय ने राजेंद्र चौधरी, धन सिंह, मनोहर राम सिंह नरवरिया और लोकेश शर्मा को आरोपमुक्त कर दिया। अदालत ने कहा कि उनके खिलाफ मुकदमा चलाने लायक पर्याप्त सबूत नहीं हैं। इन पर हत्या, आपराधिक साजिश और गैरकानूनी गतिविधि (निवारण) अधिनियम (यूएपीए) के तहत आरोप लगाए गए थे। उच्च न्यायालय ने सितंबर 2025 में विशेष अदालत द्वारा आरोप तय करने के आदेश को रद्द करते हुए कहा कि उस समय न्यायाधीश ने ''अपने दिमाग का इस्तेमाल नहीं किया।'' आठ सितंबर 2006 को महाराष्ट्र के नासिक जिले के मालेगांव कस्बे में चार बम विस्फोट हुए थे। इनमें तीन धमाके जुमे की नमाज के बाद हमीदिया मस्जिद और बड़ा कब्रिस्तान परिसर में तथा चौथा मुशावरत चौक में हुआ था। इस घटना में 31 लोगों की मौत और 312 लोग घायल हुए थे। मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति श्याम चांडक की पीठ ने कहा कि एनआईए ने आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) की जांच और आरोपपत्र को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया।

उत्तराखंड में बदरीनाथ धाम के कपाट खुले, चारधाम यात्रा पूर्ण रूप से शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड के उच्च गढ़वाल हिमालयी क्षेत्र में स्थित विश्वप्रसिद्ध बदरीनाथ धाम के कपाट छह माह बंद रहने के बाद बृहस्पतिवार को श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए और पहली पूजा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम से संपन्न हुई।

पूर्व निर्धारित मुहूर्त के अनुसार, सुबह सवा छह बजे चमोली जिले में स्थित इस मंदिर के कपाट वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधिवत पूजा-अर्चना के साथ खोले गए और इस दौरान देश-विदेश से आए करीब 15 हजार श्रद्धालु मंदिर परिसर में मौजूद रहे। इस मौके पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी तथा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट भी उपस्थित रहे।

मंदिर के कपाट खुलने के दौरान पूरा वातावरण ढोल-नगाड़ों और सेना के बैंड की मधुर धुनों के साथ हजारों श्रद्धालुओं के 'जय बदरी विशाल' के जयकारों से भक्तिमय हो उठा। इस अवसर पर मंदिर प्रांगण में माणा और बामणी गांव की महिलाओं ने झुमैलो नृत्य प्रस्तुत किया, जबकि अन्य राज्यों से आए श्रद्धालुओं ने भजन-कीर्तन गाए। मंदिर को रंग-बिरंगे और सुगंधित फूलों से भव्य रूप से सजाया गया था, जिससे नर और नारायण पर्वत के बीच स्थित इसकी सुंदरता और निखर उठी।

मान्यता है कि वर्ष में छह महीने (ग्रीष्मकाल में) श्रद्धालु यहां भगवान विष्णु की पूजा करते हैं, जबकि शेष छह महीने (शीतकाल में) देवता स्वयं उनकी आराधना करते हैं, जिसमें मुख्य पुजारी देवर्षि नारद होते हैं। मुख्यमंत्री धामी ने देश और प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना करते हुए महाभिषेक पूजा संपन्न कराई। उन्होंने धाम पहुंचे तीर्थयात्रियों का स्वागत किया और व्यवस्थाओं के संबंध में उनकी राय भी जानी।

धामी ने कहा कि राज्य सरकार ने चारधाम यात्रा को सुरक्षित, सुगम और सुव्यवस्थित बनाने के लिए व्यापक तैयारियां की हैं। साथ ही श्रद्धालुओं से 'हरित और स्वच्छ' तीर्थयात्रा में सहयोग करने का आग्रह किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने धाम में संचालित भंडारे का उद्घाटन किया।

आंध्र प्रदेश: हनी-ट्रैप के जरिए वसूली करने वाला गिरोह पकड़ा गया, पांच गिरफ्तार

अनंतपुर (आंध्र प्रदेश)/भाषा। आंध्र प्रदेश पुलिस ने अनंतपुर ग्रामीण मंडल में हनी-ट्रैप के जरिए धन उगाही करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। हनी ट्रैप का अर्थ है किसी को प्रेम जाल या शारीरिक प्रलोभन में फंसाकर, उसकी आपत्तिजनक तस्वीरें या वीडियो बनाना और फिर उन्हें सार्वजनिक करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करना या जबरन वसूली करना।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान गिरोह की सरगना मामिलापल्ली रंगाम्मा, डब्बारा राजेश, मंगला जयालक्ष्मी, चंद्रकला और अनंतकुमारी के रूप में हुई है। अनंतपुर ग्रामीण के पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) टी. वेंकटेशुलु ने संवाददाताओं को बताया, हमने एक हनी-ट्रैप गिरोह का भंडाफोड़ किया है, जो पीड़ितों को मीठी बातों में फंसाने के लिए जाल बिछाते थे।

उद्योग अनुकूल नीतियां महाराष्ट्र को वैश्विक निवेश केंद्र बना रहीं: फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बृहस्पतिवार को कहा कि उद्योग अनुकूल नीतियों के कारण राज्य एक वैश्विक निवेश केंद्र के रूप में उभर रहा है और विदेशी निवेशकों के लिए पसंदीदा गंतव्य बना हुआ है।

फडणवीस ने यह बात दक्षिण मुंबई स्थित अपने आधिकारिक निवास 'वर्षा' में भारत में डेनमार्क के राजदूत रासमुस अबिल्डगार्ड क्रिस्टेंसन से मुलाकात के दौरान कही। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, बैठक में बंदरगाह, पोत परिवहन, ऊर्जा और जल प्रबंधन के क्षेत्रों में संभावनाओं पर चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री ने महाराष्ट्र को देश का वृद्धि इंजन बताते हुए कहा कि सक्रिय नीतिगत कदमों से वैश्विक कंपनियों को आकर्षित करने में मदद मिली है और अंतरराष्ट्रीय निवेश परिदृश्य में राज्य की स्थिति मजबूत हुई है। बैठक के दौरान देवेंद्र फडणवीस ने डेनमार्क के प्रतिनिधिमंडल को पालघर जिले में प्रस्तावित वधावन बंदरगाह परियोजना की जानकारी दी। उन्होंने इसे एक परिवर्तनकारी परियोजना बताते हुए कहा कि यह परियोजना भारत की समुद्री क्षमता बढ़ाने के साथ-साथ परिवहन व्यवस्था और निर्यात प्रतिस्पर्धा को मजबूत कर सकती है। उन्होंने कहा कि राज्य जल परिवहन को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वाकांक्षी योजना पर काम कर रहा है, जिसमें जल टैक्सी और बिजली से चलने वाली नौकाओं की योजना शामिल है। इसके लिए एकीकृत और बेहतर व्यवस्था विकसित करने पर जोर दिया जा रहा है। महाराष्ट्र इस क्षेत्र में डेनमार्क की अग्रणी कंपनियों के साथ साझेदारी का इच्छुक है।

हड़ताल, यात्री परेशान — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (आरटीसी) के कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल बृहस्पतिवार को दूसरे दिन भी जारी रहने के कारण यात्रियों को निजी परिवहन पर निर्भर होना पड़ा। कर्मचारियों ने आरटीसी के सरकार में विलय सहित अपनी 32 मांगों के समर्थन में कई जगहों पर प्रदर्शन किया। आरटीसी ने जनता की सुविधा के लिए निजी तथा इलेक्ट्रिक बस चलाने की कोशिश की। बस अड्डों पर पहुंचे यात्रियों को बस पकड़ने के लिए लंबे समय तक इंतजार करना पड़ा। कुछ यात्रियों ने मीडिया से कहा कि बसों की अनुपलब्धता के कारण ऑटो सहित निजी वाहन भारी किराया वसूल रहे हैं। विपक्षी दल भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के नेताओं ने हड़ताल कर रहे कर्मचारियों को समर्थन देते हुए सरकार से उनकी मांगें मानने को कहा।

अमेजन इंडिया 2,800 करोड़ रुपए से अधिक का करेगी निवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अमेजन इंडिया कर्मचारियों की सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं वित्तीय कल्याण उपायों को मजबूत करने और देशभर में अपने संचालन नेटवर्क को बढ़ाने के लिए 2,800 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश करने की योजना है।

कंपनी ने बयान में कहा कि यह नया निवेश कंपनी की 2030 तक भारत में 35 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक निवेश करने की प्रतिबद्धता का हिस्सा है। इसमें कारोबार विस्तार, कृत्रिम मेधा आधारित डिजिटलीकरण, निर्यात वृद्धि और रोजगार सृजन जैसे उपाय शामिल हैं। अमेजन इंडिया एवं ऑस्ट्रेलिया के संचालन उपाध्यक्ष अभिनव सिंह ने कहा, '' 2013 में 'अमेजनडॉटइन' की शुरुआत के बाद से हमने भारत के सबसे सुरक्षित, तेज और विश्वसनीय संचालन नेटवर्क में से एक का निर्माण किया है, जो देश के हर सेवा योग्य पते कोड तक ग्राहकों को सेवाएं मुहैया कराता है। इस नेटवर्क के केंद्र में हमारे लोग हैं...और हम कर्मचारियों की सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं वित्तीय कल्याण को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'' सिंह ने कहा कि 2,800 करोड़ रुपए से अधिक का यह निवेश कंपनी के प्रयासों को और मजबूत करेगा।

मोदी सरकार ने इजराइली शासन के साथ खड़े होकर मानवीय मूल्यों से विश्वासघात किया : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने इजराइली शासन के साथ खड़े होकर भारत के पारंपरिक रुख और मानवीय मूल्यों के साथ विश्वासघात किया है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह दावा भी किया कि गाजा में इजराइल के ''नरसंहार'' और लेबनान पर बमबारी को लेकर प्रधानमंत्री की ''चुप्पी'' नैतिक कायरता है। रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''गाजा में इजराइल द्वारा जारी नरसंहार और लेबनान पर भारी बमबारी पर अपनी चुप्पी से प्रधानमंत्री नैतिक कायरता का प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कब्जे वाले वेस्ट बैंक में लाखों फलस्तीनियों के विस्थापन पर भी पूरी तरह से चुप्पी साध रखी है।'' उन्होंने कहा कि दुनिया में ऐसी कोई सरकार नहीं है जिसने ''हत्यारे इजराइली शासन'' के साथ इतनी एकजुटता दिखाई हो जितनी मोदी सरकार ने दिखाई है। रमेश ने दावा किया कि मोदी सरकार ने पारंपरिक भारतीय सिद्धांतों और रुख के साथ ही सभी मानवीय मूल्यों के साथ विश्वासघात किया है।

संविधान के आधार पर समान नागरिक संहिता की दिशा में कदम उठा रहीं कुछ राज्य सरकारें : कूरियन

इंदौर/भाषा। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन ने बृहस्पतिवार को यहां कहा कि समान नागरिक संहिता का संविधान में जिक्र है और कुछ राज्य सरकारें इस विषय में संवैधानिक प्रावधानों के आधार पर कदम उठा रही हैं। कुरियन ने समान नागरिक संहिता से जुड़े एक सवाल पर संवाददाताओं से कहा कि इस विषय में कुछ राज्य सरकारें संवैधानिक प्रावधानों के आधार पर कदम उठा रही हैं। उन्होंने कहा, ''हमारे संविधान में इसके (समान नागरिक संहिता) बारे में लिखा है, इसलिए वे (राज्य सरकारें) संविधान के आधार पर कदम उठा रहे हैं।'' मीडिया के साथ बातचीत से पहले, कुरियन 'भारतीय अर्थव्यवस्था, शिक्षा और परोपकार में जैन समुदाय का योगदान' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में शामिल हुए, जिसका आयोजन राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग ने किया था। उन्होंने कहा कि देश के विकास तथा अर्थव्यवस्था में जैन समुदाय का बड़ा योगदान है और सरकार इसे बढ़ाने में समुदाय की हरसंभव मदद करेगी।

नए ऑनलाइन गेमिंग नियमों से भारत के ई-स्पोर्ट्स परिवेश में आएगी स्पष्टता : उद्योग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। गेमिंग उद्योग ने बृहस्तिवार को कहा कि नए ऑनलाइन गेमिंग नियम स्पष्ट रूप से पंजीकृत 'ई-स्पोर्ट्स' को एक वैध खेल के रूप में मान्यता देते हैं। उद्योग का मानना है कि यह रूपरेखा वास्तवित रूप से पैसे से जुड़े मंच को ई-स्पोर्ट्स के रूप में खुद को पेश करने से रोकेगा।

हालांकि, कुछ विशेषज्ञों ने ई-स्पोर्ट्स टीमों और खिलाड़ियों के सामने आने वाले वित्तीय रूपरेखा की स्पष्टता की कमी जैसी प्रमुख कमियों की ओर ध्यान दिलाया। साथ ही, उन्होंने इस बात पर भी चिंता जताई कि बैंक ई-स्पोर्ट्स से होने वाली कमाई और 'रियल मनी गेमिंग' के बीच अंतर करने में अभी भी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं।

यह प्रतिक्रिया केंद्र सरकार द्वारा बुधवार को ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन और विनियमन अधिनियम को प्रभावी बनाने के लिए अधिसूचित नियमों के बाद आई है। ये नियम एक 'डिजिटल-फर्स्ट' नियामक ऑनलाइन गेमिंग प्राधिकरण के गठन का रास्ता साफ करते हैं और ये एक मई, 2026 से प्रभावी होंगे। नोडविन गेमिंग के सह-संस्थापक और प्रबंध निदेशक अक्षत राठी ने कहा कि ये नियम भारत के ई-स्पोर्ट्स परिवेश में बहुप्रतीक्षित स्पष्टता और संरचना लाते हैं। उन्होंने प्रकाशकों द्वारा खेलों को ई-स्पोर्ट्स के रूप में औपचारिक रूप से पंजीकृत करने के प्रावधान को एक स्वागत योग्य कदम बताया और कहा कि यह असली पैसों वाले मंच को खुद को ई-स्पोर्ट्स घोषित करने से रोकेगा।

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव :

रिकॉर्ड 85.14 प्रतिशत मतदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु की 234 सदस्यीय विधानसभा के लिए बृहस्पतिवार को मतदान हुआ और निर्वाचन आयोग द्वारा देर रात साढ़े 10 बजे जारी किए गए अद्यतन आंकड़ों के मुताबिक कुल 85.14 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया है।

निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, राज्य के 5.73 करोड़ से अधिक मतदाताओं में से 85.05 फीसदी यानी लगभग 4.82 करोड़ ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। इससे पहले, तमिलनाडु में 2011 के विधानसभा चुनावों में सर्वाधिक 78.29 फीसदी मतदान दर्ज किया गया था, जब अन्नाद्रमुक ने शानदार जीत हासिल की थी।

इस बीच तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए मतदान बृहस्पतिवार को शाम को समाप्त होने के साथ ही, निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने सीलबंद ईवीएम, वीवीपीएटी और अन्य चुनावी सामग्री को राज्य भर में नामित मतगणना केंद्रों के सुरक्षित कक्षों में स्थानांतरित कर दिया। तमिलनाडु विभानसभा चुनाव में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) और विपक्षी दल ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) तथा तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के बीच त्रिकोणीय मुकाबले के आसार जताए जा रहे हैं। निर्वाचन अधिकारियों के मुताबिक, राज्य में मतदान लगभग शांतिपूर्ण रहा और कहीं से भी किसी बड़ी घटना की शिकायत नहीं मिली।

द्रमुक और अन्नाद्रमुक, दोनों ने चुनावों में अपनी-अपनी जीत का भरोसा जताया।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने कहा, आजादी के बाद से पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में अब तक का सर्वाधिक मतदान प्रतिशत दर्ज किया गया। निर्वाचन आयोग पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के प्रत्येक मतदाता को सलाम करता है। निर्वाचन अधिकारियों ने कहा कि आंकड़ों को अभी भी समेकित किया जा रहा है, ऐसे में अंतिम मतदान प्रतिशत में वृद्धि हो सकती है।इस बीच, द्रमुक के सूत्रों ने कहा कि मतदाताओं की भागीदारी को अभूतपूर्व या ऐतिहासिक करार देने के लिए मतदान प्रतिशत 88 से 90 फीसदी के बीच होना चाहिए। सूत्रों के अनुसार, तमिलनाडु में 2001 से लेकर अब तक हुए हर विधानसभा चुनाव में वोटों की संख्या में कम से कम 30 लाख की वृद्धि देखी गई है। निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मतदान सुबह सात बजे शुरू हुआ और शाम छह बजे संपन्न हो गया तथा इस अवधि में 85.05 फीसदी यानी लगभग 4.87 करोड़ मतदाताओं ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया।

तमिलनाडु चुनाव : एक परिवार की तीन पीढ़ियों के 14 सदस्य एक साथ वोट डालने पहुंचे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। लोकतांत्रिक भागीदारी का एक उल्लेखनीय उदाहरण पेश करते हुए, एक परिवार की तीन पीढ़ियों के 14 सदस्य बृहस्पतिवार को यहां स्टेला मैरिस कॉलेज स्थित मतदान केंद्र में वोट डालने एक साथ पहुंचे। परिवार के बुजुर्ग मुखियाओं से लेकर पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं तक, सभी एक साथ कतार में खड़े थे, जिसने अन्य मतदाताओं और हाई-प्रोफाइल मतदान केंद्र पर मौजूद मीडिया कर्मियों का अपनी ओर ध्यान आकर्षित किया। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में, स्टेला मैरिस कॉलेज चेन्नई के सबसे प्रमुख मतदान केंद्रों में से एक रहा है, जहां अक्सर जानी-मानी हस्तियां अपने मताधिकार का प्रयोग करती हैं।

मतदान केंद्र के बाहर बात करते हुए, उक्त परिवार के सदस्यों ने इस बात पर जोर दिया कि एक साथ मतदान करना उनके परिवार की लंबे समय से चली आ रही परंपरा है, जिसका उद्देश्य युवा पीढ़ी को प्रेरित करना है। परिवार की सदस्य जयंती (63) ने कहा, हम वर्षों से ऐसा करते आ रहे हैं। यह महत्वपूर्ण है कि हमारे पोते-पोतियां हमें इसमें भाग लेते हुए देखें ताकि वे समझ सकें कि उनका वोट भी उतना ही मायने रखता है जितना कि हमारा। उनके बेटे शिवराज (35) ने कहा, पूरे परिवार के साथ आने से यह अपने अधिकारों का उत्सव मनाने जैसा लगता है। यहां आने से पहले हमने नाश्ते पर रोजगार और कानून व्यवस्था जैसे मुद्दों पर चर्चा की। तमिलनाडु की 234 सदस्यीय विधानसभा के लिए हो रहे चुनाव के तहत मतगणना चार मई को होगी।

नेताओं और अभिनेता रजनीकांत, कमल हासन सहित अन्य ने डाले वोट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

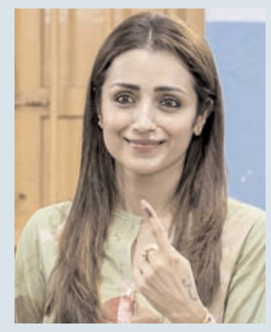

चेन्नई। तमिलनाडु के शीर्ष नेताओं और फिल्म एवं संगीत जगत की हस्तियों ने बृहस्पतिवार को राज्य विधानसभा चुनाव में मतदान किया। राज्य की 234 सदस्यीय विधानसभा के लिए सुबह सात बजे मतदान शुरू हुआ। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन, उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन, टीवीके. प्रमुख विजय, एएमएमके प्रमुख टीटीवी दिनाकरन ने चेन्नई में मतदान किया। वहीं, अन्नाद्रमुक प्रमुख एडप्पाडी के. पलानीस्वामी ने सेलम में मतदान किया।

एमडीएमके संस्थापक वाइको और उनके बेटे दुरई वाइको ने तेनकासी जिले के कलिंगपट्टी में वोट डाला। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी.चिदंबरम ने शिवगंगा जिले में मतदान किया। द्रमुक सांसद कनिमोई, पीएमके नेता अंबुमणि रामदास और डीएमडीके महासचिव प्रेमलता विजयकांत उन नेताओं में शामिल थे, जिन्होंने सुबह मतदान शुरू होने के तुरंत बाद यहां मतदान किया।

मशहूर संगीतकार इलैयाराजा, अभिनेता रजनीकांत, कमल हासन, अजित कुमार, आर. सरथकुमार, राधिका सरथकुमार, धनुष, विक्रम और शिवकार्तिकेयन ने भी अपने-अपने मताधिकार का प्रयोग किया। अभिनेता विजय सेतुपति ने मतदान को एक अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य बताते हुए चेन्नई में अपना वोट डाला। उपमुख्यमंत्री उदयनिधि ने अपनी पत्नी और बेटे के साथ मतदान किया। चेन्नई की मेयर आर. प्रिया समेत द्रमुक के कई प्रमुख नेताओं ने भी अपने-अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान करने वाली फिल्मी हस्तियों में प्रदीप रंगनाथन, योगी बाबू, सूर्या और जोथिका तथा त्रिशा कृष्णन भी शामिल हैं।

भाजपा नेता अन्नामलाई ने बड़े पैमाने पर चुनावी धांधली और अपर्याप्त परिवहन सुविधाओं का आरोप लगाया

कोयंबटूर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के पूर्व अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि राज्य विधानसभा चुनावों में बड़े पैमाने पर धांधली हो रही है। उन्होंने मतदाताओं के लिए पर्याप्त परिवहन सुविधाएं प्रदान करने में विफल रहने के लिए निर्वाचन आयोग की आलोचना की। भाजपा नेता ने गौंडमपलायम सीट के एक मतदान केंद्र पर मताधिकार का प्रयोग करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए दावा किया कि मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए खुलेआम पैसा और सोना बांटा जा रहा है।

अन्नामलाई ने कहा, ''घर-घर जाकर चार लोग एक वोट के बदले 5,000 रुपये दे रहे हैं। करूर विधानसभा क्षेत्र में तो वे बेखौफ होकर एक मतदाता को आधा ग्राम सोने का सिक्का दे रहे हैं। यह सब एक दिन में नहीं हुआ। यह पैसा कहीं न कहीं से आया है। इसे कहीं छिपाकर रखा गया है।'' उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों में कोयंबटूर में भी इसी तरह के नकदी वितरण की खबरें आई हैं, जिससे मतदान प्रक्रिया की शुचिता भंग हुई है। भाजपा नेता ने संसाधन व्यवस्था में हुई खामियों को लेकर भी प्राधिकारियों पर जमकर निशाना साधा और बस सेवाओं की भारी कमी का हवाला दिया, जिसके कारण मतदाता अपने गृह जिलों तक नहीं पहुंच पाए। अन्नामलाई ने कहा कि उन्हें चेन्नई से दक्षिणी तमिलनाडु जाने वाले यात्रियों के लिए पर्याप्त सरकारी और निजी बसों की कमी के संबंध में जनता तथा युवाओं से कई शिकायतें मिली हैं। अन्नामलाई ने कहा, ''कल से ही हमारे कई मतदाता, पार्टी सदस्य, तटस्थ पर्यवेक्षक और युवा इस मुद्दे को प्रमुख शिकायत के रूप में उठा रहे हैं। उदाहरण के लिए कल रात चेन्नई से रवाना हुई एक बस के आज शाम छह या 6:30 बजे ही रामनाथपुरम पहुंचने की उम्मीद है।'' उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में निर्वाचन आयोग इस मामले को बेहतर तरीके से संभाल सकता था। अन्नामलाई ने शिकायतों के बावजूद विश्वास व्यक्त किया कि राज्य के 5.6 करोड़ से अधिक मतदाता इन प्रलोभनों से परे जाकर राज्य में बदलाव के लिए अपनी अंतरात्मा के अनुसार मतदान करेंगे। तमिलनाडु में 234 विधानसभा सीट के लिए बृहस्पतिवार को मतदान हुआ।

तमिलनाडु विधानसभा में महिलाओं की आवाज सुनी जानी चाहिए : तमिलिसाई सौंदरराजन

चेन्नई। पूर्व राज्यपाल और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की उम्मीदवार तमिलिसाई सौंदरराजन ने बृहस्पतिवार को कहा कि तमिलनाडु विधानसभा में महिलाओं की आवाज को जोरदार तरीके से सुना चाहिए और महिला उम्मीदवारों का चुनाव जीतने का मतलब राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की जीत है। सौंदरराजन ने द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के उस विमर्श से असहमति जताई कि मौजूदा चुनाव तमिलनाडु और दिल्ली के बीच का मुकाबला है। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई उन महिलाओं और द्रमुक के बीच है जो राज्य में सुरक्षित नहीं हैं। उन्होंने चेन्नई में अपना वोट डालने के बाद 'पीटीआई-वीडियो' को बताया, ''यह द्रमुक बनाम तमिलनाडु की महिलाओं का मुकाबला है। तमिलनाडु की महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। इसलिए, मेरा नारा है द्रमुक बनाम तमिलनाडु की महिलाएं। अगर तमिलनाडु की महिलाएं जीतती हैं तो यह राजग की जीत होगी।'' चेन्नई के मायलापुर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ रहीं तेलंगाना की पूर्व राज्यपाल ने कहा कि लोकतंत्र की खूबसूरती यही है कि वह उस निर्वाचन क्षेत्र में उम्मीदवार हैं जहां मुख्यमंत्री (एम के. स्टालिन) मतदाता हैं। उन्होंने कहा कि मुझे इस बात की बेहद खुशी है कि मैंने लगभग आठ से नौ बार मतदान किया है।

तमिलनाडु में गठबंधन की सरकार बनेगी, द्रमुक ने प्रमुख मुद्दों पर काम किया : पी. चिदंबरम

कराईकुडी। पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री पी. चिदंबरम ने गुरुवार को तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में मतदान करने के बाद भरोसा जताया कि सेक्युलर प्रोग्रेसिव अलायंस (एसपीए) राज्य में फिर से सरकार बनाएगा। राज्य की सभी 234 विधानसभा सीटों पर सुबह 7 बजे से मतदान शुरू हुआ। इस बार 5.73 करोड़ से अधिक मतदाता 4,023 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला कर रहे हैं। चुनावी मुकाबला चार प्रमुख मोर्चों के बीच है- द्रविड़ मुनेत्र कषगम के नेतृत्व वाला सेक्युलर प्रोग्रेसिव अलायंस, अन्नाद्रमुक के नेतृत्व वाला नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस, नाम तमिळर कच्ची और तमिळगा वेत्रि कषगम। कराईकुडी के चित्तल आच्ची मेमोरियल हाई स्कूल में मतदान करने के बाद चिदंबरम ने कहा कि राज्य के मतदाता तीन प्रमुख मुद्दों, स्थिर सरकार, विकास और जनकल्याण योजनाओं को प्राथमिकता दे रहे हैं।

उन्होंने कहा, मुझे पूरा विश्वास है कि द्रमुक सरकार, जिसने इन तीनों मोर्चों पर काम किया है, फिर से सत्ता में आएगी और गठबंधन अगले पांच वर्षों तक शासन करेगा। चिदंबरम ने कहा गठबंधन की स्थिर सरकार राज्य की वित्तीय स्थिति और बढ़ते कर्ज को संभालने में सक्षम होगी। उन्होंने कहा कि सही वित्तीय योजना के जरिए कर्ज का प्रबंधन किया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि तमिलनाडु के वित्त मंत्री थंगम थेन्नारासु ने बजट सत्र के दौरान बताया था कि 2026-27 के अंतरिम बजट अनुमान के अनुसार राज्य का कुल बकाया कर्ज 10.71 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। कर्ज को लेकर उठ रही चिंताओं पर चिदंबरम ने कहा, इसमें कोई समस्या नहीं होगी। बजट बनाते समय राज्य और केंद्र, दोनों के राजस्व को ध्यान में रखा जाता है। कर्ज लेना एक सामान्य आर्थिक प्रक्रिया है, अहम बात यह है कि उसे चुकाने की क्षमता हो। उन्होंने 'फ्रीबी' शब्द के इस्तेमाल पर भी आपत्ति जताते हुए कहा कि जनकल्याण योजनाओं को इस नजरिए से नहीं देखना चाहिए।

कनिमोई को द्रमुक के सत्ता में बने रहने का पूरा भरोसा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में 234 विधानसभा क्षेत्रों में मतदान जारी रहने के बीच द्रमुक की वरिष्ठ नेता और पार्टी सांसद कनिमोई ने बृहस्पतिवार को विश्वास जताया कि उनकी पार्टी राज्य में फिर सत्ता में लौटेगी। यहां अपना वोट डालने के बाद कनिमोई ने पत्रकारों से कहा, ''लोग सही फैसला लेंगे और द्रमुक की सरकार बनी रहेगी।'' कनिमोई ने द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के पांच वर्षों के प्रदर्शन और राज्य, भाषा और संस्कृति की रक्षा के प्रति उसकी प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला और कहा कि चार मई को मतों की गिनती के बाद ''सच्चाई'' सामने आएगी।

उन्होंने तमिलनाडु के लोगों से यह भी आग्रह किया कि वे चुनाव में मतदान करने से पहले ध्यानपूर्वक विचार करें कि राज्य की रक्षा करने में कौन सक्षम है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, ''इतिहास खुद को दोहराएगा।'' कनिमोई का इशारा स्पष्ट रूप से द्रमुक द्वारा 2021 के चुनावी प्रदर्शन को दोहराने की ओर था।

तमिलनाडु जीतेगा : मुख्यमंत्री स्टालिन ने मतदान के बाद कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) अध्यक्ष और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने बृहस्पतिवार को कहा कि तमिलनाडु इस विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करेगा। मुख्यमंत्री ने यहां एसआईईटी कॉलेज मतदान केंद्र पर अपनी पत्नी दुर्गा स्टालिन और अपने बेटे तथा उपमुख्यमंत्री उदयनिधि के साथ वोट डाला। मतदान के बाद उन्होंने कहा, तमिलनाडु जीतेगा। ऐसा प्रतीत होता है कि वह अपने उस अक्सर दोहराए जाने वाले बयान की ओर इशारा कर रहे थे, जिसमें उन्होंने मौजूदा चुनावी मुकाबले को ''तमिलनाडु टीम बनाम दिल्ली टीम'' की लड़ाई बताया था। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, मैंने अपना वोट डाल दिया है। इसी तरह तमिलनाडु के सभी लोगों को भी बिना चूके अपना लोकतांत्रिक कर्तव्य निभाना चाहिए। उन्होंने मुट्ठी का इशारा करते हुए कहा, ''तमिलनाडु जीतेगा।''

शादी के जोड़े में मतदान करने पहुंचा नवविवाहित जोड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई के कोडंबक्कम में एक मतदान केंद्र पर कतार में खड़े मतदाताओं का ध्यान किसी नेता या फिल्मी सितारे ने नहीं, बल्कि शादी के जोड़े और वरमाला में सजे एक नवविवाहित जोड़े ने खींचा, जो विवाह की रस्में निपटाने के बाद सीधे वोट डालने पहुंच गया।

दूल्हा सुनील पेशे से वकील है। उसने बताया कि दुल्हन को मंगलसूत्र पहनाने के महज 15 मिनट बाद वह उसके साथ मतदान केंद्र पर पहुंच गया। सुनील ने 'पीटीआई वीडियो' से कहा, हमारे पास समय बहुत कम था, क्योंकि मेरी पत्नी कल्लकुरुची जिले की मतदाता हैं। मुझे कोडंबक्कम में अपना वोट डालने के बाद उन्हें (पत्नी) कल्लकुरुची ले जाना था, ताकि वह भी अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर सकें।

सुनील के मुताबिक, चुनाव कार्यक्रम की आधिकारिक घोषणा से पहले ही उसकी शादी की तारीख तय हो चुकी थी। उसने कहा, तारीखों में टकराव के बावजूद मैं और मेरी पत्नी मतदान करना चाहते थे। इसलिए हमने शादी के तुरंत बाद ही मतदान केंद्र पहुंचकर एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में अपना कर्तव्य निभाया। सुनील ने कहा कि मतदान केवल एक अधिकार नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी भी है, जिसे हर नागरिक को निभाना चाहिए।

टीवीके प्रमुख ने निर्वाचन आयोग से मतदान के घंटे बढ़ाने का अनुरोध किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के प्रमुख विजय ने बृहस्पतिवार को निर्वाचन आयोग से तमिलनाडु की सभी 234 विधानसभा सीटों पर हो रहे मतदान का समय दो घंटे बढ़ाकर रात आठ बजे तक करने का अनुरोध किया। उन्होंने मुख्य निर्वाचन आयुक्त को लिखे पत्र में कहा कि बड़ी संख्या में लोगों को मतदान करने में सुविधा प्रदान करने के लिए आपातकालीन सार्वजनिक परिवहन सेवाएं भी उपलब्ध कराई जानी चाहिए।

विजय ने कहा, कई मतदान केंद्रों से ऐसी खबरें मिल रही हैं कि मतदाता अपना वोट डालने के लिए लंबी कतारों में इंतजार कर रहे हैं लेकिन मतदान प्रक्रिया धीमी है। इस तरह की देरी से मतदाता हतोत्साहित हो सकते हैं, जिससे मतदान प्रतिशत पर असर पड़

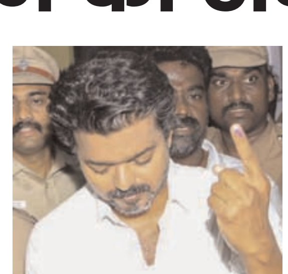

सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि मतदान केंद्रों का नियमित रूप से निरीक्षण करने के लिए पर्यवेक्षक अधिकारियों की तैनाती की जानी चाहिए ताकि मतदान प्रक्रिया बिना किसी अनावश्यक देरी के सुचारु और प्रभावी ढंग से पूरी हो सके। इस बीच, टीवीके के नेताओं, 'बुसी' एन आनंद और आधव अर्जुन ने राज्य प्रशासन और परिवहन विभाग पर चुनाव के दौरान मतदाताओं को आवश्यक बस सेवाओं से वंचित कर व्यवस्थित विफलता को अंजाम देने का आरोप लगाया। मीडिया से बात करते हुए टीवीके के महासचिव आनंद ने बताया कि परिवहन सुविधाओं के भारी अभाव के कारण गुडुवांचेरी, चेंगलपट्टु और कोयमबेडु के प्रमुख बस अड्डों पर हजारों मतदाता फंसे रहे। उन्होंने कहा, लोग अपने लोकतांत्रिक कर्तव्य का पालन करने के लिए यूरोप, अमेरिका और सिंगापुर जैसी दूरदराज की जगहों से आए थे लेकिन उन्हें ठप पड़ी बस सेवाओं और अनियंत्रित यातायात जाम का सामना करना पड़ा।

‘सशक्त किसान-समृद्ध भारत’ के विजन को धरातल पर साकार करने के लिए हम प्रतिबद्ध : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ‘सशक्त किसान, समृद्ध भारत’ के विजन को राज्य में धरातल पर साकार करने के लिए 23 से 25 मई तक जयपुर में होने वाला ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट(ग्राम)-2026 बड़ा मंच साबित होगा। इस आयोजन का उद्देश्य किसानों, कृषि विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं और निवेशकों को एक साथ लाकर कृषि प्रौद्योगिकी के माध्यम से किसानों को आर्थिक रूप से मजबूत करना है।

मुख्यमंत्री गुरुवार को नई दिल्ली में आयोजित ग्राम-2026 इन्वेस्टर मीट को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सभी निवेशकों एवं उद्यमियों को ग्राम-2026 में भाग लेने का आमंत्रण भी दिया। उन्होंने कहा कि‘ग्राम’ के तहत गिरदावर सर्किल, उपखण्ड, जिला सहित प्रत्येक स्तर पर गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं, जिससे ज्यादा से ज्यादा किसान लाभान्वित हो सकें।

उन्होंने कहा कि राजस्थान कृषि उत्पादन में देश का अग्रणी राज्य है। बाजरा, सरसों, तिलहन, जौ, ग्वार, ईसबगोल और जीरे के उत्पादन में राजस्थान देश में पहले स्थान पर है। इस विविधता से फूड प्रोसेसिंग, स्पाइस पार्क और एग्री-एक्सपोर्ट जैसे क्षेत्रों में उद्यमियों के लिए अपार संभावनाएं मौजूद हैं।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार उद्यमियों को निवेश अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन कर कृषि क्षेत्र में करीब 44 हजार करोड़ रुपये के एमओयू साइन किए गए, जिनमें से 9 हजार करोड़ रुपये से अधिक का निवेश धरातल पर उतर भी चुका है। ग्राम-2026 इसी निवेश यात्रा को और आगे ले जाने का मंच है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में पहली बार पश्चिम क्षेत्रीय जोनल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। दलहन उत्पादन के मामले में झालावाड़ व टोंक जिलों को मॉडल जिलों के तौर पर विकसित किया जा रहा है। वहीं, केंद्र सरकार द्वारा भी प्रदेश में 3 लाख क्विंटल से अधिक बीज वितरण के लिए किसानों को अनुदान दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान में सौर ऊर्जा उत्पादन की अपार संभावनाएं हैं। हमारी सरकार ने दो साल में एक हजार करोड़ रुपये से अधिक का अनुदान जारी कर राज्य में 65 हजार से अधिक सौर पंप संयंत्र स्थापित करवाए हैं। इससे किसानों की बिजली लागत/खर्च में भारी कमी आई है और कृषि उत्पादकता में वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि हमारी मंशा है कि किसानों को निकटतम ही प्रसंस्करण इकाई मिले और उनकी आय बढ़े। इस हेतु हम प्रोसेसिंग यूनिट, वेयरहाउस, डेयरी, मछली पालन, पशुपालन सहित अन्य कृषि से जुड़ी गतिविधियों पर भी फोकस कर रहे हैं। प्रदेश में डेढ़ हजार से अधिक कृषि प्रसंस्करण इकाइयां स्थापित की गई हैं। साथ ही, प्रदेश में प्रसंस्करण को बढ़ावा देने के लिए फूड पार्कों हेतु भूमि चिन्हित की जा चुकी है। मसाला प्रकोष्ठ की स्थापना, राजस्थान स्पाइस कॉन्क्लेव का आयोजन तथा राजस्पाइस मोबाइल एप्लिकेशन विकसित करने जैसे नवाचार भी किए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए समर्पण के साथ कार्य कर रही है। हमने किसान सम्मान निधि की राशि बढ़ाकर 9 हजार रुपये की है। साथ ही, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत देश में सबसे ज्यादा 2 करोड़ 19 लाख पॉलिसी जारी की गई हैं तथा 6 हजार 500 करोड़ रुपये से अधिक के क्लेम वितरित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा किसानों को गेहूं की खरीद पर 150 रुपये बोनस, 24 जिलों में किसानों को दिन में बिजली, राजस्थान सहकारी गोपाल क्रेडिट कार्ड ऋण योजना के तहत पशुपालकों को 1 लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त ऋण तथा मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के तहत 20 लाख से अधिक पशुओं का पंजीकरण किया गया है।

केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री का मानना है कि जब कृषि लाभदायक होगी, तभी देश का सही मायने में विकास होगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान साहस और नवाचार की भूमि है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राजस्थान सरकार कृषि लागत में कमी और उन्नत तकनीक के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक प्रदेश की भौगोलिक आवश्यकतानुसार कृषि के लिए आवश्यक एवं सुलभ तकनीक विकसित करें।

राजस्थान के अनेक इलाकों में भीषण गर्मी की चेतावनी

जयपुर। राजस्थान में तेज गर्मी का दौर जारी है और मौसम विभाग ने बृहस्पतिवार से कई इलाकों में उष्णलहर (हीट वेव) की चेतावनी जारी की है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के जयपुर केंद्र के अनुसार राज्य के अधिकांश भागों में कई दिन से अधिकतम तापमान 40 से 42 डिग्री के बीच बना हुआ है जो कि सामान्य से दो-तीन डिग्री सेल्सियस ऊपर है। इसके अनुसार राज्य में आगामी तीन-चार दिन मौसम शुष्क रहने तथा तापमान में दो डिग्री सेल्सियस तक और बढ़ोतरी के आसार हैं। इस दौरान अधिकांश भागों में अधिकतम तापमान 41 से 43 डिग्री सेल्सियस दर्ज किए जाने का पूर्वानुमान है, जबकि उत्तरी राजस्थान में 23-25 अप्रैल को कहीं-कहीं उष्णलहर की चेतावनी जारी की गई है।

पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर संभाग व आसपास के क्षेत्रों में आज भी धूलभरी तेज सतही हवाएं चल सकती हैं। इस बीच, राज्य की राजधानी जयपुर में गर्मी के तीखे तेवर को देखते हुए जिला प्रशासन ने विद्यालयों के समय में बदलाव किया है। जयपुर जिले में 27 अप्रैल से राजकीय व गैर राजकीय विद्यालयों का समय सुबह साढ़े सात बजे से दोपहर 12 बजे तक रहेगा।

आईआरएस अधिकारी की बेटी की हत्या के आरोपी के खिलाफ अलवर पुलिस भी कर रही दुष्कर्म मामले की जांच

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। दिल्ली के बेहद पॉश कैलाश हिल्स इलाके में एक 22 वर्षीय युवती की दुष्कर्म के बाद हत्या के मामले में गिरफ्तार आरोपी एक ‘आदतन’ अपराधी है और उसने घटना से महज कुछ घंटे पहले राजस्थान के अलवर में एक महिला से भी दुष्कर्म किया था। पुलिस ने यह जानकारी दी है। पुलिस ने बताया कि अलवर में आरोपी ने जिस महिला से दुष्कर्म किया था, उसी के पति के साथ वह ऑनलाइन ‘लूडो’ खेलता था। अधिकारियों के अनुसार दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के पॉश कैलाश हिल्स इलाके में बुधवार सुबह भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) के एक वरिष्ठ अधिकारी की 22 वर्षीय बेटी से दुष्कर्म और फिर उसकी हत्या करने के आरोप में राहुल मीणा (19) की द्वारका क्षेत्र से गिरफ्तारी के बाद राजस्थान पुलिस ने अलवर में उसके खिलाफ दुष्कर्म के आरोप की जांच के लिए एक विशेष टीम गठित की है।अलवर के पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी ने कहा, यहां राहुल मीणा के खिलाफ दुष्कर्म के आरोप की जांच के लिए एक विशेष टीम गठित की गई है। पूछताछ के लिए छह से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया है। उन्होंने बताया कि बुधवार को एक महिला ने अलवर जिले के राजगढ़ थाने में शिकायत दर्ज कराई जिसमें आरोप लगाया गया कि राहुल ने मंगलवार रात उससे दुष्कर्म किया। चौधरी ने कहा कि इस मामले की जांच राजगढ़ की पुलिस उपाधीक्षक मनीषा मीणा को सौंपी गई है।

शिकायत में पीड़िता के पति ने बताया कि वह मंगलवार शाम आरोपी राहुल के साथ एक शादी समारोह में गया था और वहीं रुक गया जबकि राहुल बाद में गांव लौट आया और कथित तौर पर उसके घर में घुसकर इस वारदात को अंजाम दिया। पुलिस के अनुसार, पीड़िता ने घटना की जानकारी फोन पर अपने पति को दी जिसके बाद मामला दर्ज कराया गया। शिकायत के मुताबिक, आरोपी ने पीड़िता को धमकी दी थी कि यदि उसने यह बात किसी को बताई तो वह उसे जान से मार देगा।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि राहुल पीड़िता को जानता था और उसके पति के साथ ऑनलाइन लूडो खेलता था। उन्होंने कहा, पीड़िता का चिकित्सकीय परीक्षण कराया जा चुका है। जांच में तेजी लाने के लिए हम सभी सूचनाएं दिल्ली पुलिस के साथ साझा कर रहे हैं।

दिल्ली में पुलिस के अनुसार, सीसीटीवी फुटेज और प्रत्यक्षदर्शियों के बयानों से पुष्टि हुई है कि राहुल बुधवार को सुबह छह बजकर 49 मिनट पर कैलाश हिल्स स्थित घर में दाखिल हुआ और सात बजकर 20 मिनट पर वहां से निकल गया। इसी दौरान वारदात को अंजाम दिए जाने की आशंका है। पुलिस ने बताया कि राहुल लगभग आठ महीने तक उस घर में घरेलू सहायक के रूप में काम कर चुका था और करीब एक महीने पहले उसे नौकरी से हटा दिया गया था।

उसने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह संकेत मिले हैं कि सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रही युवती से उसने दुष्कर्म किया और फिर मोबाइल फोन के चार्जिंग केबल से गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी।

राजस्थान में अलग-अलग कंपनियों की सात दवाइयां मानकों पर खरी नहीं उतरी

जयपुर। राजस्थान खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण विभाग की जांच में अलग-अलग कंपनियों की सात दवाइयां मानकों पर खरी नहीं उतरीं। इन दवाओं में खांसी- जुकाम की सिरप, गले में संक्रमण, जीवाणु संक्रमण को खत्म करने वाली दवाइयां शामिल हैं। औषधि नियंत्रक अजय फाटक ने बताया कि मानकों पर खरी नहीं उतरी इन दवाइओं की खेप की बिक्री को रोकने के निर्देश दिए गए हैं।

उन्होंने बताया कि एक से 15 अप्रैल के बीच अलग-अलग जगहों इन दवाइयों के नमूने लिए गए। इन नमूनों की जांच रिपोर्ट हाल में आई है। इसमें सात दवाइयों के नमूने मानकों पर खतरे नहीं उतरे। अजय फाटक ने बताया कि मैसर्स लार्क लेबोरेट्रीज (इंडिया) लिमिटेड (भिवाड़ी) की बनाई ‘सेफिक्साइम ओरल सस्पेंशन’(लोरामिक्स सिरप) जीवाणु संक्रमण को खत्म करने में उपयोग आती है। मैसर्स अफ्फी पेरेंटरल की बनाई ‘एल्बेंडाजोल टैबलेट’, जो पेट में कीड़ों को खत्म करने में उपयोग ली जाती है। मैसर्स डिजिटल मिशन और मैसर्स अक्वोवैल फार्मा प्रा.लि. की बनाई ‘एम्ब्रोक्सोल, लेवोसल्बुटामोल और गुआइफेनेसिन ड्रॉप्स’ खांसी कम करने में उपयोग ली जाती है। मैसर्स यूनाइटेड बायोस्युटिकल्स प्रा. लि. (हरिद्वार) की बनाई ‘मिथाइलप्रेडनिसोलोन टबलैट’ जो सूजन कम करने, एलर्जी, गठियां रोग के इलाज में उपयोग की जाती है।

लापरवाही पर बालोतरा के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी को तुरंत प्रभाव से किया कार्यमुक्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। शासन सचिव, श्रम, कारखाना एवं बॉयलर निरीक्षण एवं चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें (ई. एस. आई.) विभाग पूर्ण चन्द्र किशन ने गुरुवार को शासन सचिवालय स्थित ‘राजस्थान सम्पर्क पोर्टल 181’ हेल्पलाइन केंद्र का निरीक्षण किया तथा परिवादियों से संवाद कर उनकी शिकायतों को सुना। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को त्वरित समस्याओं के समाधान के निर्देश प्रदान किये।

इस दौरान शासन सचिव ने बालोतरा के परिवादी राजकुमार से कॉल पर बात करते हुए उनकी समस्या को सुना। परिवादी द्वारा कर्मचारी राज्य बीमा औषधालय, बालोतरा में पदस्थापित चिकित्सक की शिकायत की गई। पीसी किशन ने इस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी को तुरंत प्रभाव से कार्य मुक्त किया । उन्होंने विभिन्न जिलों के 12 परिवादियों से श्रमिक कल्याण, श्रमिक डायरी, मुआवजा संबंधी, प्रसूति सहायता योजना की किस्त प्राप्त करने, श्रमिक कार्ड को अद्यतन करवाने एवं श्रमिक शिक्षा एवं कौशल विकास योजना से संबंधित शिकायतों को सुना तथा समाधान के निर्देश दिए।उन्होंने 181 हेल्पलाइन पर श्रम विभाग, कारखाना एवं बॉयलर निरीक्षण और ईएसआईसी से संबंधित का परिवादों की समीक्षा भी की। आरआईएसएल के महाप्रबंधक जी के शर्मा ने बताया कि गत एक वर्ष के दौरान विभाग से संबंधित कुल 27,911 शिकायतों में से 26,528 का निस्तारण हो चुका है जो कि लगभग 95 प्रतिशत से भी अधिक है । उल्लेखनीय है कि आमजन की शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए सभी विभागों के सचिव निर्धारित तिथियों पर राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन (181) कंट्रोल रूम में उपस्थित होकर परिवादियों से सीधे संवाद कर रहे हैं। इस पहल के माध्यम से नागरिक घर बैठे अपनी शिकायत दर्ज कर शीघ्र समाधान प्राप्त कर रहे हैं। इस अवसर पर विभाग के अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे ।

बीकाजी के संस्थापक शिव रतन अग्रवाल का निधन

जयपुर। ‘बीकाजी फूड्स इंटरनेशनल लिमिटेड’ के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक शिव रतन अग्रवाल का बृहस्पतिवार सुबह चेन्नई में निधन हो गया। परिवार के सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार 74 वर्षीय अग्रवाल चेन्नई में थे और बेचैनी की शिकायत के बाद उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली। उन्होंने बताया कि अग्रवाल की पत्नी की हाल में हृदय की बाईपास सर्जरी हुई थी और चिकित्सकों ने उन्हें आराम की सलाह दी थी। अग्रवाल उनके साथ चेन्नई में ही रुके हुए थे।

बीकानेर के सादुलगंज निवासी अग्रवाल ने 1993 में ‘बीकाजी’ ब्रांड की स्थापना की थी। एक छोटे से उद्यम के रूप में शुरू हुआ यह व्यवसाय एक प्रमुख खाद्य ब्रांड बन गया। यह भारत सहित विदेशों में भी खासकर अपनी ‘बीकानेरी भुजिया’ के लिए लोकप्रिय है। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अग्रवाल के निधन पर शोक व्यक्त किया।

अपनी संस्कृति और श्रद्धा से जुड़े रहना आवश्यक : राज्यपाल

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े गुरुवार को बहरोड़ क्षेत्र के ग्राम बिजोरावास पहुंचे, जहां उन्होंने बाबा बिशाह मंदिर परिसर में आयोजित शिव मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने विधि-विधान से पूजा अर्चना की और प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। राज्यपाल बागड़े ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भगवान शिव अज्ञान और नकारात्मकता के अंधकार को मिटाकर जीवन में ज्ञान और सकारात्मकता का प्रकाश लाने वाले हैं। राज्यपाल ने भारतीय इतिहास की महत्वपूर्ण घटनाओं और उनके महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि युवाओं द्वारा अपनी परंपरा और संस्कृति को आत्मसात करना, सांस्कृतिक पहचान, मूल्य और निरंतरता को जीवित रखने के लिए आवश्यक है।

यह आधुनिकता के साथ सामंजस्य बैठाते हुए अपनी जड़ों से जुड़े रहने और एक सशक्त समाज व राष्ट्र के निर्माण में योगदान देता है। बागड़े ने कहा कि सड़कों पर बेसहारा घूमते नंदी (बैलों) का संरक्षण एक प्रमुख मुद्दा है, जिसके लिए सामुदायिक भागीदारी और सरकारी प्रयासों जैसे गोग्रास और गौशालाओं में आश्रय की आवश्यकता है। राजस्थान सरकार द्वारा विशेष अभियान चलाकर नंदियों को सुरक्षित आश्रय प्रदान करने के प्रयास भी किए जा रहे हैं। राजस्थान सरकार द्वारा नंदी (बैलों) के पालन और उनसे खेती को बढ़ावा देने के लिए एक विशेष योजना चलाई जा रही है, जिसके तहत किसानों को हर साल 30 हजार रूपए की आर्थिक सहायता दी जा सकती है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से विभिन्न देशों के ट्रेड प्रतिनिधियों ने की मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से गुरुवार को नई दिल्ली में ग्राम-2026 इन्वेस्टर मीट के तहत विभिन्न देशों के ट्रेड प्रतिनिधियों, विभिन्न उद्यमियों, स्टार्ट-अप्स ने वन-टू-वन मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने कनाडा, रूस, ऑस्ट्रेलिया, इटली, ब्राजील, वियतनाम और अर्जेन्टीना के दूतावासों के वाणिज्यिक एवं कृषि प्रतिनिधियों से राजस्थान में कृषि निवेश बढ़ाने पर विस्तृत बातचीत की। उन्होंने कहा कि किसान नवीन कृषि तकनीकों को अपनाकर तथा विभिन्न फूड प्रोसेसिंग गतिविधियों के विकास से सशक्त बनेंगे। उन्होंने कहा कि इस इन्वेस्टर मीट से प्रदेश के किसानों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार से जुड़ने का मौका मिलेगा। साथ ही, फसलों और एग्री प्रोडक्ट्स के निर्यात से किसानों की आय में वृद्धि भी होगी। उन्होंने कहा कि इस आयोजन से एग्री स्टार्टअप्स को प्रगति के विभिन्न अवसर मिलेंगे। जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार का सृजन होगा तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने वन टू वन मुलाकात के दौरान रूस की ड्रोन तकनीक, कनाडा के खेतों में एग्री प्रोसेसिंग और पराली से संबंधित प्रक्रिया, ब्राजील की तरह सोयाबीन उत्पादन को बढ़ावा देने, मक्का से मेथेनॉल बनाने सहित अन्य कृषि एवं तकनीकी विषयों पर विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों से चर्चा की। उन्होंने कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले देशों से संपर्क को बढ़ावा देने के लिए संबंधित अधिकारियों की नियुक्ति करने के निर्देश दिए। जिससे इन देशों में किए जा रहे कृषि नवाचारों तथा उन्नत तकनीकों को प्रदेश के किसानों के हित में अपनाया जा सके।

उल्लेखनीय है कि 23 से 25 मई तक आयोजित होने वाले ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट से भविष्य की खेती के लिए किसान, वैज्ञानिक, निवेशक और नीति निर्माता इस मंच के माध्यम से एक साथ काम कर सकेंगे। इस दौरान केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी, कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल, जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, सहकारिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार, राजस्थान किसान आयोग अध्यक्ष सी. आर. चौधरी, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक एम. एल. जाट, प्रमुख शासन सचिव कृषि श्रीमती मंजू राजपाल सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

नाहरगढ़ जैविक उद्यान में भालुओं को भा रही ‘फ्रूट आइसक्रीम’, हाथियों का हो रहा ‘पेडीक्योर’

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में तेज गर्मी का असर वन्यजीवों पर भी दिखने लगा है। वन विभाग ने यहां नाहरगढ़ प्राणी उद्यान में वन्यजीवों को गर्मी से बचाने के लिए कूलर एवं फव्वारें लगाए हैं तथा शाकाहारी प्राणियों को तरबूज, ककड़ी और खीरा खिलाया जा रहा है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। नाहरगढ़ प्राणी उद्यान के उपनिदेशक डॉ. अरविंद माथुर ने बताया कि बढ़ती गर्मी के कारण उद्यान में सभी वन्यजीवों के ‘शेल्टर्स’ में ‘जंबो कूलर्स’ की व्यवस्था की गई है।

उन्होंने बताया कि शेर, बाघ, पैंथर, हिमालय भालू के बाहर निकलने से पूर्व नहलाया जा रहा है तथा संबंधित क्षेत्र में फव्वारें और रेन गन से नियमित पानी का छिड़काव किया जा रहा है, ताकि वातावरण ठंडा रहे। उपनिदेशक ने बताया कि ‘ड्रिप सिस्टम’ भी लगाए गए हैं ताकि घेरा (एंक्लोजर) ठंडा रहे। उन्होंने कहा कि बाघ, शेर और भालू जैसे वन्यजीवों के लिए जलाशय तैयार किये गये हैं, जहां वे गर्मी में वहां बैठकर खुद को ठंडा रख सकें।

माथुर ने बताया कि खान-पान में भी विशेष परिवर्तन किया गया है तथा हिमालय भालूओं को रोजमर्रा के खाने के साथ ‘फ्रूट आइसक्रीम’, ठंडा दूध, केला, सेब और तरबूज दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अत्यधिक गर्मी पड़ने पर इन्हें आहार में विशेष तौर पर जो का सत्तू भी दिया जाएगा। उद्यान प्रशासन के अनुसार हिरणों के लिए हरे चारे की मात्रा बढ़ाने के साथ-साथ उन्हें खीरा, ककड़ी एवं ‘मिनरल सप्लीमेंट्स’ दिए जा रहे हैं। प्रशासन का कहना है कि हिप्पोपोटोमस को केला, सेब के अतिरिक्त तरबूज दिया जा रहा है तथा बाघ और शेर के शावकों को चिकन उपलब्ध कराया जा रहा है।

उपनिदेशक ने बताया कि सभी वन्यजीवों की नियमित ‘डिवर्मिंग’ (वन्यजीवों के शरीर से आंतरिक परजीवियों को मारने वाली दवा देना) की गई है और जरूरत के अनुसार पानी में ग्लूकोज दिया जा रहा है। माथुर के मुताबिक इसके अलावा विटामिन,’ मिनरल सप्लीमेंट्स’ एवं रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने की दवाइयां भी वन्यजीवों को दी जा रही है। तेज गर्मी ने आमेर के हाथी गांव में हाथियों की दिनचर्या बदल दी। हाथियों के खान-पान से लेकर रहने आदि के विशेष इंतजाम किए गए हैं। दिन में तीन बार नहलाया जा रहा है। हाथियों के नाखूनों की विशेष देखभाल की जा रही है। उनका ‘पेडीक्योर’ किया जा रहा है। हाथी सवारी के लिए भी एक दिन छोड़कर एक दिन आमेर महल भेजा जा रहा है, ताकि बीच में एक दिन आराम मिल सके। गर्मी से बचाने को कूलर लगाए गए।

हाथी गांव विकास समिति अध्यक्ष बल्लू खान ने बताया कि हाथियों को दिन में दो बार तालाब में नहलाया जा रहा है और शाम को फव्वारा चलाकर नहलाते हैं। उन्होंने बताया कि तेज गर्मी में हाथियों के नाखून चटकने का डर रहता है, ऐसे में नाखूनों पर नीम, सरसों और आयुर्वेदिक तेल की मालिश की जा रही है तथा खाने में तरबूज, ककड़ी, खरबूजा, ज्वार आदि ज्यादा दिये जा रहे हैं।

मुझे पूरा यकीन है कि बंगाल में भाजपा को शानदार जीत मिलेगी : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कृष्णानगर/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण में बड़ी संख्या में वोट देने के लिए राज्य की जनता को बधाई दी और मतदान के अब तक के आंकड़ों को ''परिवर्तन के लिए शानदार जनादेश'' का संकेत बताया। प्रधानमंत्री मोदी ने नदिया जिले के कृष्णानगर में एक चुनावी रैली में कहा कि निर्वाचन आयोग इस बात के लिए बधाई का पात्र है कि उसने चुनाव में हिंसा की कोई बड़ी घटना नहीं होने दी।

मोदी ने कहा, ''बंगाल में पिछले 50 वर्षों के चुनावी इतिहास में यह पहली बार है कि हिंसा की घटनाएं न्यूनतम रहीं। मतदान के बारे में अब तक मुझे जो जानकारी मिली है, उससे मुझे पूरा विश्वास है कि यह बंगाल के मतदाताओं द्वारा बदलाव के पक्ष में एक शानदार जनादेश होगा।'' देश के अन्य हिस्सों के मतदान के आंकड़ों का हवाला देते हुए, प्रधानमंत्री ने दावा किया कि जब भी लोग बड़ी संख्या में मतदान करने के लिए निकले हैं, भाजपा को निर्णायक जीत हासिल हुई है। बंगाल में शाम 5 बजे तक औसतन लगभग 90 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। राज्य विधानसभा चुनाव के प्रथम चरण में, 152 सीटों पर अभूतपूर्व सुरक्षा व्यवस्था के बीच बृहस्पतिवार को मतदान हुआ। हालांकि, कुछ इलाकों से हिंसा की छिटपुट घटनाओं की खबरें हैं। शांतिपूर्ण मतदान कराने के लिए केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की 2,400 से अधिक कंपनियां तैनात की गई हैं। मोदी ने कहा कि मतगणना के बाद भाजपा की बंगाल इकाई 4 मई को विजयोत्सव मनाएगी, जब पार्टी लोगों में न केवल मिठाई बल्कि 'झालमुड़ी' भी बांटेगी। प्रधानमंत्री ने पिछले हफ्ते झाड़ग्राम के अपने दौरे के दौरान 'झालमुड़ी' का स्वाद लिया था। उन्होंने कहा, ''मैंने सुना है कि झालमुड़ी ने भी कुछ लोगों को करारा झटका दिया है। मैंने झालमुड़ी खाई थी, लेकिन ऐसा लगता है कि तृणमूल नेताओं को मिर्ची लग रही है।''

मोदी ने ''तृणमूल के सिंडिकेट, आपराधिक और माफिया गठजोड़'' का जिक्र करते हुए दावा किया कि पार्टी राज्य के कुछ जिलों में एक भी सीट नहीं जीत पाएगी। उनकी यह जनसभा एक ऐसे क्षेत्र में थी, जहां हिंदू नामशूद्र मतुआ समुदाय के सदस्यों की अच्छी खासी संख्या है और एसआईआर के जरिये मतदाता सूची से मतदाताओं के नाम हटाए जाने से लोगों के बीच आक्रोश है।

प्रधानमंत्री मोदी ने चुनाव प्रचार के बीच बेलूड़ मठ जाकर संतों से भेंट की

हावड़ा(प.बंगाल)/भाषा। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव का प्रचार करने आए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बृहस्पतिवार को रामकृष्ण मिशन के मुख्यालय बेलूड़ मठ गए और संतों से भेंट की। मोदी दक्षिण 24 परगना जिले के मथुरापुर में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करने के बाद हावड़ा के बेलूड़ पहुंचे।

उन्होंने रामकृष्ण और स्वामी विवेकानंद की प्रतिमाओं को पुष्पांजलि अर्पित की और मठ के संतों के साथ बातचीत की। प्रधानमंत्री ने इस की अपनी पिछली यात्राओं को याद किया। उन्होंने कहा कि उनका शुरू से इस मठ से जुड़ाव रहा है।

जनजतीय परिषद चुनाव के नतीजे भाजपा के लिए चिंताजनक नहीं : मुख्यमंत्री साहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अगरतला/भाषा। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने बृहस्पतिवार को कहा कि त्रिपुरा जनजातीय क्षेत्र स्वायत्त जिला परिषद (टीटीएएडीसी) चुनाव के नतीजे सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लिए ''चिंताजनक नहीं'' हैं क्योंकि पार्टी को पिछली बार के मुकबाले इस बार दोगुने मत मिले हैं।

टीटीएएडीसी की 28 सीट के लिए हाल में चुनाव में टिपरा मोथा पार्टी (टीएमपी) को 24 सीट मिली हैं जबकि भाजपा को महज चार सीट से संतोष करना पड़ा। टीएमपी को 2021 के चुनाव में 37.43 प्रतिशत मत मिले थे जो इस साल बढ़कर 54.95% हो गया है जबकि भाजपा को पिछली बार मिले 18.72% मतों के मुकाबले इस बार 28.95% मत मिले हैं। साहा ने आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा, '' जनजतीय परिषद चुनाव के नतीजे भाजपा के लिए चिंताजनक नहीं हैं। पार्टी ने इस बार अकेले चुनाव लड़ा था। पूर्वोत्तर राज्य में यह पहली बार है कि किसी राष्ट्रीय पार्टी ने किसी क्षेत्रीय पार्टी पर निर्भर हुए बिना जनजातीय परिषद का चुनाव लड़ा।'' उन्होंने कहा कि भाजपा को 2021 के चुनाव में एक लाख मत मिले थे, जबकि इस बार उसे 2.18 लाख मत मिले हैं। साहा ने कहा, ''चुनाव में मिली हार से हम निराश नहीं हैं क्योंकि हमने जनजातीय परिषद क्षेत्र में रहने वाले लोगों का दिल जीतने की पूरी कोशिश की। हम कब तक क्षेत्रीय पार्टियों पर निर्भर रहेंगे?

भारत-नेपाल सीमा पर 85 लाख रु. की भारतीय, नेपाली मुद्रा जब्त, 6 हिरासत में

बहराईच (उप्र)/भाषा। बहराइच जिले में भारत-नेपाल सीमा पर पुलिस और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की संयुक्त टीम ने 85 लाख रुपए से अधिक मूल्य की भारतीय और नेपाली मुद्रा जब्त की और छह लोगों को हिरासत में लिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव के निर्देशन में कार्रवाई करते हुए रुपईडीहा थाने की पुलिस और एसएसबी ने सीमा क्षेत्र में सघन तलाशी अभियान चलाया, जिसके दौरान मंगलवार को नकदी बरामद की गई। छह लोगों के कब्जे से 16.5 लाख रुपए मूल्य की भारतीय मुद्रा और 69 लाख रुपए मूल्य की नेपाली मुद्रा बरामद की गई। पुलिस ने कहा कि हिरासत में लिए गए लोगों में दो नेपाली नागरिक – राजेश प्रसाद सोनार और प्रताप सिंह जयसवाल – और बहराइच के रुपईडीहा क्षेत्र के चार निवासी शामिल हैं, जिनकी पहचान विजय कुमार अग्रवाल, रामगोपाल शुक्ला, मोतीलाल और दीपक कुमार निषाद के रूप में की गई है।

भाजपा ने पहले हमारा साथ दिया था, इसलिए मुख्यमंत्री पद उन्हें सौंपा : जदयू

पटना/भाषा। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के वरिष्ठ नेता और उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि पार्टी अध्यक्ष नीतीश कुमार के मुख्यमंत्री पद छोड़ने के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को राज्य का शीर्ष पद इसलिए सौंपा गया, क्योंकि अतीत में गठबंधन सहयोगी ने उसका साथ दिया था। चौधरी ने पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''कल सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाली नई सरकार विधानसभा में विश्वास मत हासिल करेगी। इसी उद्देश्य से विधानसभा का एक दिवसीय सत्र बुलाया गया है। सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के पास प्रचंड बहुमत है, इसलिए विश्वास मत जीतना तय है।'' उन्होंने कहा, ''यह भी ध्यान रखना चाहिए कि नई सरकार को हमारे नेता नीतीश कुमार का आशीर्वाद प्राप्त है, जिन्होंने राज्यसभा जाने का निर्णय लेते हुए मुख्यमंत्री पद छोड़ा। राज्य की जनता ने बार-बार उन पर भरोसा जताया है, इसलिए सभी निश्चिंत रहें कि नई सरकार नीतीश कुमार के पदचिह्नों पर चलेगी।''

शादी में थूक लगाकर रोटी बनाने के आरोप में व्यक्ति गिरफ्तार

हापुड़ (उप्र)/भाषा। हापुड़ जिले में एक शादी समारोह के दौरान थूक लगाकर तंदूर में रोटी बनाने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। बाबूगढ़ थाना प्रभारी मुनीश प्रताप ने बृहस्पतिवार को बताया कि एक वीडियो उनके संज्ञान में आया था, जिसमें एक युवक थूक लगाकर रोटी बनाता दिखाई दे रहा था। उन्होंने बताया कि वीडियो के आधार पर पहचान करके आरोपी नसीमउद्दीन को बुधवार शाम को गिरफ्तार कर अदालत के समक्ष पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। प्रताप ने बताया कि यह घटना बाबूगढ़ थाना क्षेत्र के मुक्तेश्वरा गांव की है, जहां 18 अप्रैल को एक शादी समारोह आयोजित किया गया था। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम स्थल पर मौजूद किसी व्यक्ति ने अपने मोबाइल फोन पर इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर प्रसारित कर दिया, जिसके बाद एक शिकायत दर्ज कराई गई।

जब मैदान पर आता हूं तो मैं अपना अहंकार होटल के कमरे में ही छोड़ देता हूं : जडेजा

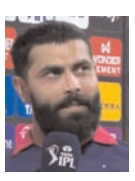

नई दिल्ली/भाषा। रविंद्र जडेजा ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मौजूदा सत्र में राजस्थान रॉयल्स की तरफ से खेलते हुए विभिन्न कारणों से अधिकतर मैचों में अपने कोटे के चार ओवर पूरे नहीं किए हैं लेकिन उन्हें इस बात का कोई शिकवा नहीं है और उनका कहना है कि वह ''मैदान पर आने से पहले अपना अहंकार होटल के कमरे में छोड़ देते हैं।'' जडेजा ने बुधवार को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ अपनी टीम को 40 रन से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। इससे पहले कुछ मैचों में अपने कोटे के चार ओवर पूरे न कर पाने के बारे में जडेजा ने जियोहॉटस्टार से कहा, ''जब मैं मैदान पर आता हूं, तो मैं अपना अहंकार होटल के कमरे में ही छोड़ देता हूं। मैं केवल इस बारे में सोचता हूं कि टीम मुझसे जिस तरह की भी अपेक्षा करेगी मैं उसे पूरी करने की कोशिश करूंगा।'' उन्होंने कहा, ''अगर इस मैच में बल्लेबाजी की बात करें तो मैं पारी के आखिर तक खेलना चाहता था क्योंकि अगर मैं 17वें या 18वें ओवर में गलत शॉट खेलकर आउट हो जाता तो हम 159 रन तक नहीं पहुंच पाते और शायद 20-25 रन कम बना पाते।''

बिहार विधानसभा में आज विश्वास मत पेश करेगी सम्राट चौधरी सरकार

पटना/भाषा। बिहार में हाल ही में सत्ता संभालने वाले मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार 24 अप्रैल को विधानसभा में विश्वास मत प्रस्ताव पेश करेगी। इसके लिए बिहार विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने सदन की बैठक आहूत की है, जिसकी कार्यवाही पूर्वाह्न 11 बजे शुरू होगी।

विधानसभा सचिवालय द्वारा बृहस्पतिवार को जारी कार्यसूची के अनुसार, बैठक की शुरुआत अध्यक्ष के प्रारंभिक संबोधन से होगी, जिसके बाद मुख्यमंत्री विश्वास मत प्रस्ताव पेश करेंगे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राजग के पास विधानसभा में बहुमत साबित करने के लिए पर्याप्त संख्या बल है। गठबंधन में भाजपा के 89, जनता दल (यूनाइटेड) के 85, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के 19, हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के चार और राष्ट्रीय लोक मोर्चा के चार विधायक हैं। इस प्रकार राजग के कुल 201 विधायक हैं।

हालांकि, पहले राजग के विधायकों की संख्या 202 थी, लेकिन भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के राज्यसभा सदस्य चुने जाने के बाद विधानसभा सदस्यता से इस्तीफा देने पर यह संख्या घटकर 201 रह गई।

चुनाव में हार की भविष्यवाणी करने में माहिर : भाजपा ने राहुल गांधी पर निशाना साधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में बृहस्पतिवार को पहले चरण का मतदान शुरू होने के साथ ही भाजपा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तंज कसा और दावा किया कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष चुनावी हार की भविष्यवाणी करने के विशेषज्ञ हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राहुल के उन बयानों का हवाला दिया, जिनमें उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधा था।

सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा, राहुल गांधी चुनाव पूर्वानुमान लगाने में माहिर हैं, और हार की भविष्यवाणी करने में वे हमेशा सटीक होते हैं। यही कारण है कि उनके नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी 90 से अधिक चुनाव हार चुकी है। भंडारी ने कहा कि गांधी की टिप्पणियां विपक्षी दलों के बीच भी बढ़ती इस धारणा को दर्शाती हैं कि बनर्जी ने सांप्रदायिकता और अराजकता को बढ़ावा दिया है, तथा पश्चिम बंगाल में राजनीतिक परिवर्तन होने की संभावना है। भाजपा नेता ने कहा, राहुल गांधी का कहना है कि ममताजी सांप्रदायिक हैं और ममता बनर्जी ने राज्य को सांप्रदायिकता और अराजकता की ओर धकेल दिया है। राहुल गांधी के अनुसार, ममता बनर्जी का सत्ता से बाहर होना निश्चित है।

उन्होंने कहा, राहुल गांधी द्वारा ममता बनर्जी पर किया गया हमला यह स्पष्ट करता है कि विपक्षी सहयोगी भी अब यह मानने लगे हैं कि बंगाल को बदलाव की जरूरत है और भाजपा सरकार आवश्यक है।

भाजपा के चुनाव जीतने के बाद बंगाल में कोई घुसपैठ नहीं कर पाएगा : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बालागढ़ (पश्चिम बंगाल)/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी के विधानसभा चुनाव जीतने के बाद पश्चिम बंगाल में एक भी घुसपैठिये को घुसने नहीं दिया जाएगा और यहां पहले से मौजूद अवैध प्रवासियों को चुन चुन कर बाहर निकाला जाएगा। हुगली जिले के बालागढ़ में एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा राज्य में पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाने के लिए तैयार है।

राज्य में आज पहले चरण में विधानसभा की 152 सीटों के लिए मतदान हो रहा है। शाह ने कहा, आज पहले चरण का मतदान लगभग समाप्त हो चुका है और यह बंगाल में मेरा 30वां कार्यक्रम है। पांच मई को दीदी का खेल खत्म हो जाएगा। बंगाल में पूर्ण बहुमत के साथ भाजपा की सरकार बनेगी। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजे 4 मई को घोषित किए जाएंगे। शाह ने यह आरोप लगाया कि घुसपैठ से राज्य की अर्थव्यवस्था और सुरक्षा को नुकसान हो रहा है। उन्होंने कहा, घुसपैठिए बंगाल के युवाओं की नौकरियां छीन रहे हैं, गरीबों का राशन खा रहे हैं और देश की सुरक्षा को कमजोर कर रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस सरकार पर अपना हमला तेज करते हुए, वरिष्ठ भाजपा नेता ने उस पर सिंडिकेट राज को बढ़ावा देने और लोगों पर भाईपो टैक्स का बोझ डालने का आरोप लगाया।

अच्छी नीयत से गोरखपुर में हुआ विकासपरक परिवर्तन : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब नीयत साफ हो तो नियति बदलने में देर नहीं लगती और गोरखपुर में नौ वर्षों के अंदर आया विकासपरक परिवर्तन इसका प्रमाण है।

वह राप्ती नदी के एकला बंधा पर पुराने कचरे का निस्तारण कर बनाए गए ईको पार्क, नौसढ़-मलौनी फोरलेन सड़क सहित 1055 करोड़ रुपए की लागत वाली 497 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करने के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने स्वच्छता टूलकिट और कैलेंडर का अनावरण कर स्वच्छ स्कूल अभियान की भी शुरुआत की। उन्होंने एकला बंधा पर ईको पार्क के रूप में हुए नए कायाकल्प का उल्लेख करते हुए कहा कि वाराणसी या लखनऊ की तरफ से गोरखपुर में प्रवेश करते ही सबसे पहला मुकाबला कचरे से होता था। उन्होंने कहा कि यह बहुत बुरा लगता था, लेकिन इच्छाशक्ति से धीरे-धीरे परिवर्तन होता गया। योगी ने कहा कि आज से 30-35 वर्ष पहले, आज जहां ट्रांसपोर्टनगर बना है, पहले गोरखपुर का सारा कचरा वहीं फेंका जाता था। उन्होंने कहा कि नगर निगम ने उसका समाधान किया तो आज वहां ट्रांसपोर्टनगर है, बेहतरीन बाजार और गोरखपुर की मंडी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ट्रांसपोर्टनगर बन जाने के बाद कचरा एकला बंधा पर गिराया जाने लगा, जिसका परिणाम हुआ, वायु प्रदूषण, जमीन में जहर, नदी प्रदूषण और भूजल स्तर पर भी प्रभाव। उन्होंने कहा कि नीयत से नियति को बदला गया और बेहतरीन ईको पार्क तैयार हो गया। ईको पार्क के विकास के लिए नगर निगम की पूरी टीम की तारीफ करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि नगर निगम ने गोरखपुर शहर के प्रवेश द्वार पर कचरे को कंचन में बदलने का काम किया है।

'चुनाव कराए ही क्यों जा रहे हैं': सिब्बल का निर्वाचन आयोग पर हमला

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व कानून मंत्री कपिल सिब्बल ने बृहस्पतिवार को निर्वाचन आयोग पर तीखा हमला करते हुए उस पर पश्चिम बंगाल में ''मतदाताओं को उनके अधिकार से वंचित रखने'' का प्रयोग करने का आरोप लगाया और पूछा कि ''चुनाव कराए ही क्यों जा रहे हैं।''

राज्यसभा सदस्य ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर भी निशाना साधते हुए तंज किया कि उन्हें तो पद्म भूषण से सम्मानित किया जाना चाहिए। सिब्बल ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''निर्वाचन आयोग (पश्चिम बंगाल चुनाव) : मताधिकार छीनने का एक 'प्रयोग' है।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त को पद्म भूषण से सम्मानित किया जाना चाहिए।'' सिब्बल ने कहा, ''मेरा सवाल: चुनाव कराए ही क्यों जा रहे हैं?'' पश्चिम बंगाल में बृहस्पतिवार को पहले चरण का मतदान हो रहा है जहां सियासी मुकाबला लगातार अधिक ध्रुवीकृत होता जा रहा है।

ममता ने आई-पैक मामले की जांच में बाधा डालने के लिए राज्य तंत्र का इस्तेमाल किया : ईडी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पश्चिम बंगाल में कानून-व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा जाने का आरोप लगाते हुए, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बृहस्पतिवार को उच्चतम न्यायालय को बताया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 2,700 करोड़ रुपए के कोयला तस्करी मामले में आई-पैक के खिलाफ उसकी जांच में बाधा डालने के लिए राज्य तंत्र का इस्तेमाल किया।

न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ के समक्ष ईडी और उसके अधिकारी रॉबिन बंसल की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने दलीलें पेश कीं। उन्होंने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को प्राथमिकी दर्ज करने और मामले की जांच का निर्देश देने का अनुरोध किया।

अदालत ईडी की उस याचिका पर सुनवाई कर रही है जिसमें आरोप लगाया गया है कि धन शोधन जांच के संबंध में आठ जनवरी को कोलकाता में राजनीतिक परामर्श फर्म 'इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी' (आई-पैक) के कार्यालय की तलाशी के दौरान बनर्जी और अन्य राज्य अधिकारियों ने बाधा डाली थी।

ईडी का आरोप है कि मुख्यमंत्री ने भारी पुलिस बल के साथ व्यक्तिगत रूप से हस्तक्षेप करते हुए तलाशी रोक दी और संघीय अधिकारियों द्वारा एकत्र किए गए सबूतों को जब्त कर लिया। कार्यवाही की शुरुआत सॉलिसिटर जनरल और वरिष्ठ अधिवक्ता मेनका गुरुस्वामी के बीच तीखी बहस से हुई। गुरुस्वामी ने ईडी पर अदालत को ''राजनीतिक अभियान में सोशल मीडिया हथियार'' के रूप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। सॉलिसिटर जनरल ने कहा, ''मैं सड़क पर लड़ने वाले की तरह व्यवहार नहीं कर सकता। मैं गरिमापूर्ण मौन बनाए रखता हूं।'' ईडी और उसके अधिकारी की याचिका सुनवाई योग्य नहीं है, इस दलील का जवाब देते हुए कि उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 32 के तहत याचिका वैध है क्योंकि कानून का शासन अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) का अभिन्न अंग है। उन्होंने कहा कि जब मुख्यमंत्री कानून को अपने हाथ में लेती हैं, तो नागरिकों के रूप में जांच अधिकारियों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन होता है। मेहता ने कहा, ''डॉ. अंबेडकर ने कभी ऐसी स्थिति की कल्पना भी नहीं की थी। मुख्यमंत्री सैकड़ों पुलिस अधिकारियों के साथ परिसर में घुस गईं। वे दस्तावेज़ ले गए, कंप्यूटर बैकअप रोक दिए और सुरक्षा कैमरों का डेटा छीन लिया। यह कोई अकेली घटना नहीं है; यह एक पैटर्न है।'' उन्होंने कहा, ''पश्चिम बंगाल में कानून-व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। यह मेरी कानूनी दलील है। मैं यह साबित करूंगा कि कानून का उल्लंघन कैसे हो रहा है। यह मामला कोयले की अवैध तस्करी का है, जिसकी कुल राशि 2,700 करोड़ रुपए है। ईडी और उनके अधिकारी, जो भारत के नागरिक हैं और अपने वैधानिक कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं, अपने मौलिक अधिकारों की रक्षा का अनुरोध कर रहे हैं।''

विधि अधिकारी ने पूर्व पुलिस आयुक्त राजीव कुमार से जुड़ी 2019 की घटना का हवाला देते हुए तर्क दिया कि पश्चिम बंगाल में जांच को रोकने के लिए संघीय अधिकारियों को ''गिरफ्तार'' करने का इतिहास रहा है।

बंगाल चुनाव मतदान तृणमूल कांग्रेस के जीत की स्थिति में होने का संकेत : ममता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

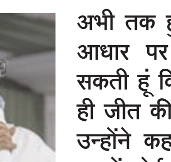

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को कहा कि विधानसभा चुनाव के पहले चरण में अब तक हुए मतदान से संकेत मिलता है कि तृणमूल कांग्रेस अभी से ही जीत की स्थिति में है।

कोलकाता के बो बाजार इलाके में आयोजित रैली में ममता ने कहा कि चुनाव जीतने के बाद वह सभी विपक्षी दलों को साथ लेकर दिल्ली (केंद्र की सत्ता) पर विजय हासिल करेंगी। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण के तहत 152 सीट पर मतदान जारी है। निर्वाचन आयोग के मुताबिक, शाम पांच बजे तक राज्य में 89.93 फीसदी मतदान दर्ज किया गया। दूसरे चरण के तहत 142 सीट पर 29 अप्रैल को मतदान होगा। वोटों की गिनती चार मई को की जाएगी। ममता ने कहा, मैं लोगों के मन को जितना समझ पाई हूं और अभी तक हुए मतदान के आधार पर मैं यह कह सकती हूं कि हम अभी से ही जीत की स्थिति में हैं। उन्होंने कहा, मुझे किसी पद में कोई दिलचस्पी नहीं है। मुझे कुर्सी नहीं चाहिए। मैं सिर्फ दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार का अंत चाहती हूं। इससे पहले, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कृष्णानगर में आयोजित एक रैली में पश्चिम बंगाल के लोगों को पहले चरण के चुनाव में भारी मतदान के लिए बधाई दी और इसे बदलाव के लिए एक जबरदस्त जनादेश करार दिया। हालांकि, ममता ने दावा किया कि मतदाता सूचियों की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया में नामों को हटाए जाने के विरोध में लोगों ने बड़ी संख्या में मतदान किया।

तृणमूल सुप्रीमो ने दोहराया कि उनके प्रयासों के कारण मतदाता सूची में 32 लाख नाम फिर से शामिल किए गए। उन्होंने कहा, मतदान के दिन आप (प्रधानमंत्री) कह रहे हैं कि आप जीतेंगे; क्या आप ऐसा कह सकते हैं? भाजपा इतनी नादान कैसे हो सकती है?

सुविचार

खोल दे पंख मेरे, कहता है परिंदा, अभी और उड़ान बाकी है, ज़मीन नहीं है मंज़िल मेरी, अभी पूरा आसमान बाकी है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बुराई के इस भंवर से बचें

दिल्ली में एक आईआरएस अधिकारी की बेटी की हत्या के मामले में हो रहे खुलासे हैरान करने वाले हैं। गिरफ्तार आरोपी एक प्रतिभाशाली छात्र रहा है, लेकिन उसे ऑनलाइन जुए की ऐसी लत लगी, जिसके बाद उसने अपराध की दुनिया में प्रवेश किया। उसे अपने कृत्य पर कोई पछतावा नहीं हो रहा है। जुआ किसी मनुष्य की बुद्धि किस तरह भ्रष्ट कर देता है, यह इसका एक उदाहरण है। आमतौर पर जुआरी अपनी आपबीती किसी को आसानी से नहीं बताते। अब सोशल मीडिया पर ऐसे लोग अनुभव साझा करने लगे हैं। उन्हें सुनकर रोंगटे खड़े हो जाते हैं। देश में ऐसे युवाओं की संख्या बढ़ती जा रही है, जो जुए के चक्रव्यूह में बुरी तरह फंस चुके हैं। उनके सिर पर यही फितूर सवार रहता है कि 'किसी तरह रुपए मिल जाएं, उनसे और बड़ा दांव लगाएं।' उक्त युवक द्वारा भी आईआरएस अधिकारी के घर से रुपए-जेवरात चोरी किए जाने की जानकारी सामने आई है। यह युवक इन अधिकारी के घर में नौकरी कर चुका है। इस दौरान उसने कई लोगों से रुपए उधार लेकर जुआ खेला था। जब अधिकारी को उसके कारनामों का पता चला तो नौकरी से निकाल दिया। यह युवक अपने घर में भी लड़ाई-झगड़ा करता था और जुआ खेलने के लिए रुपए मांगता था। अगर रुपए नहीं मिलते थे तो घर का सामान बेच देता था। जब जुए में रुपए जीतता था तो उन्हें अनैतिक कार्यों में उड़ा देता था। अगर जुए के इस रोग को फैलने से नहीं रोका गया तो भविष्य में कई लोग अपराध के दलदल में फंस सकते हैं।

अक्सर कहा जाता है कि 'जुआ संबंधी वेबसाइटों और ऐप्स के लिए सरकार जिम्मेदार है ... वह इन्हें बंद क्यों नहीं कर देती?' सरकार ने पूर्व में ऐसी कई वेबसाइटों और ऐप्स पर प्रतिबंध लगाया है। इनके हर प्लेटफॉर्म पर नजर रखना संभव नहीं है और न ही हर बात के लिए सरकार को जिम्मेदार ठहराना उचित है। क्या लोगों की कोई जिम्मेदारी नहीं है? इस तथ्य से सभी अवगत हैं कि जुआ खेलना बहुत बुरी बात है। फिर क्यों खेलते हैं? इससे दूर रहें। अगर आदत लगाना चाहते हैं तो अच्छी बातों की क्यों नहीं लगाते? क्या उसके लिए भी सरकार जिम्मेदार है? जुए की लत ने कई युवाओं की जिंदगी तबाह कर दी। दिल्ली में ही एक लड़का जो कुछ साल पहले टॉपर था, आज जुए के कारण लाखों रुपए के कर्ज में है। उसने शुरुआत में बहुत रुपए जीते थे। एक दिन भाग्य ने ऐसा पलटा खाया कि सबकुछ हार गया। उसने वह रकम दोबारा हासिल करने के लिए अपने माता-पिता के बैंक खातों में सेंध लगाई। वहां से लाखों रुपए उड़ाए। उनसे जुआ खेला और हार गया। उसकी पढ़ाई-लिखाई चौपट हो गई। जिस कॉलेज ने उसे सम्मानपूर्वक प्रवेश दिया था, उसी ने बाहर कर दिया। माता-पिता कॉलेज प्रबंधन के आगे हाथ जोड़ने लगे कि हमारे बेटे को न निकालें। जिस बेटे पर उन्हें गर्व था, उसकी गलत आदतों की वजह से दूसरों के सामने हाथ जोड़ने पड़े! एक और युवक को जुए की ऐसी लत लगी कि सबकुछ हारने के बाद वह दूसरों से रुपए उधार मांगने लगा। उसे किसी से भी रुपए मांगने में बिल्कुल झिझक नहीं होती थी। एक दिन उसकी महिला मित्र की दादी का निधन हो गया। जब फोन पर युवक को बताया तो उसने दु:ख जताने के बजाय महिला से कहा, 'दादी के कमरे में जाओ। अगर वहां कुछ रुपए मिल जाएं तो मुझे भेज दो।' जुए ने उसे इतना संवेदनाशून्य बना दिया। हर माता-पिता की जिम्मेदारी है कि वे अपने बच्चों को जुए से सावधान करें और इस बुरे खेल से दूर रखें। अगर बच्चे इस भंवर में फंस गए तो पछतावे के सिवा कुछ नहीं बचेगा।

ट्वीटर टॉक

वोट देना न सिर्फ़ हमारा अधिकार है, बल्कि देश के प्रति हमारा सबसे बड़ा फ़र्ज़ भी है। मैं पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के सभी वोटर्स स निवेदन करता हूँ कि वे लोकतंत्र के इस बड़े त्योहार में पूरे जोश के साथ हिस्सा लें।

-भजनलाल शर्मा

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव का पहला चरण हो रहा गया। मैं सभी नागरिकों से लोकतंत्र के इस त्योहार में पूरी ताकत से हिस्सा लेने की अपील करता हूं। मैं खास तौर पर अपने युवा दोस्तों और पश्चिम बंगाल की महिलाओं से बड़ी संख्या में वोट करने की अपील करता हूं।

-नरेन्द्र मोदी

राजस्थान के प्रसिद्ध उद्योगपति और बीकानेर ग्रुप के संस्थापक श्री शिवरतन अग्रवाल जी के अचानक निधन की खबर दिल तोड़ने वाली है।ङ्गङ्गमैं भगवान से प्रार्थना करती हूं कि वे दिवंगत आत्मा को शांति दें और इस मुश्किल समय में शोक संतप्त परिवार को शक्ति दें।

-दिया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

अपना अपना स्वभाव

एक बार एक भला आदमी नदी किनारे बैठा था। तभी उसने देखा एक बिच्छू पानी में गिर गया है। भले आदमी ने जल्दी से बिच्छू को हाथ में उठा लिया। बिच्छू ने उस भले आदमी को डंक मार दिया। बेचारे भले आदमी का हाथ काँपा और बिच्छू पानी में गिर गया। भले आदमी ने बिच्छू को डूबने से बचाने के लिए दुबारा उठा लिया। बिच्छू ने दुबारा उस भले आदमी को डंक मार दिया। भले आदमी का हाथ दुबारा काँपा और बिच्छू पानी में गिर गया। भले आदमी ने बिच्छू को डूबने से बचाने के लिए एक बार फिर उठा लिया। वहाँ एक लड़का उस आदमी का बार-बार बिच्छू को पानी से निकालना और बार-बार बिच्छू का डंक मारना देख रहा था। उसने आदमी से कहा, आपको यह बिच्छू बार-बार डंक मार रहा है फिर भी आप उसे डूबने से क्यों बचाना चाहते हैं? भले आदमी ने कहा, बात यह है बेटा कि बिच्छू का स्वभाव है डंक मारना और मेरा स्वभाव है बचाना। जब बिच्छू एक कीड़ा होते हुए भी अपना स्वभाव नहीं छोड़ता तो मैं मनुष्य होकर अपना स्वभाव क्यों छोड़ूँ? मनुष्य को कभी भी अपना अच्छा स्वभाव नहीं भूलना चाहिए।

सामयिक

क्या फिलहाल युद्ध का खतरा टला?

अशोक भाटिया
मोबाइल : 9221232130

संयुक्त राज्य अमेरिका अपनी पूरी ताकत के साथ इस युद्ध में उतर गया; लेकिन अब राष्ट्रपति को इस सवाल का सामना करना पड़ रहा है कि उन्हें घर पर क्या मिला; यह आश्चर्य की बात नहीं है कि ईरान ने संयुक्त राज्य अमेरिका से अपना हाथ वापस लेने का साहस दिखाया है, और संयुक्त राज्य अमेरिका के पास इसे पुनर्जीवित करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ युद्धविराम आगे बढ़ाने का ऐलान किया है। ट्रंप ने यह कदम मौजूदा सीजफायर के खत्म होने से कुछ घंटे पहले पाकिस्तान के अनुरोध पर उठाया है। उन्होंने कहा कि वे ईरान की तरफ से कोई प्रपोजल मिलने तक जंगबंदी को आगे बढ़ा रहे हैं। इससे जंग फिलहाल के लिए टल गई है और मध्यस्थ पाकिस्तान को अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत का नया दौर आयोजित करने के लिए समय मिल गया है। डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि हमने इस बात को समझा है कि ईरान की सरकार गंभीर रूप से बंटी हुई है। पाकिस्तान के फील्ड मार्शल असीम मुनीर और पीएम शहबाज शरीफ ने मुझसे सीजफायर बढ़ाने का अनुरोध किया। हमसे कहा गया है कि हम ईरान पर तब तक हमले ना किए जाएं, जब तक कि उनके नेता और प्रतिनिधि एकमत से कोई प्रस्ताव लेकर नहीं आ जाते हैं।

डोनाल्ड ट्रंप ने आगे लिखा कि पाकिस्तान की गुजारिश पर मैं युद्धविराम को तब तक के लिए बढ़ा रहा हूं जब तक कि ईरान की ओर से प्रपोजल पेश नहीं कर दिया जाता और चर्चाएं पूरी नहीं हो जातीं, चाहे वह किसी भी नतीजे पर पहुंचें। मैंने अपनी सेना को निर्देश दिया है कि वह नाकेबंदी जारी रखे और बाकी सभी मामलों के लिए तैयार रहे। डोनाल्ड ट्रंप के इस ऐलान से फिलहाल के लिए लड़ाई के फिर से शुरू होने का खतरा टल गया है। हालांकि अभी भी दोनों पक्षों के बीच गहरे मतभेद बने हुए हैं। अमेरिकी बातचीत टीम का नेतृत्व करने के लिए उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की पाकिस्तान की प्रस्तावित यात्रा टाल दी गई है। होर्मुज स्ट्रेट में ईरान पर अमेरिका की नाकेबंदी भी अभी जारी है। अपनी और फील्ड मार्शल सैयद आसिम मुनीर की ओर से मैं राष्ट्रपति ट्रंप का शुक्रिया अदा करता हूं कि उन्होंने हमारी सीजफायर को आगे बढ़ाने की बात मान ली। मुझे उम्मीद है कि दोनों पक्ष सीजफायर का पालन करेंगे और इस्लामाबाद में बातचीत के दूसरे दौर में इस संघर्ष को हमेशा के खत्म करने के लिए व्यापक शांति समझौता कर पाएंगे।

पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने कहा है कि वह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का तहे दिल से शुक्रिया अदा करते हैं कि उन्होंने पाकिस्तानी की युद्धविराम को आगे बढ़ाने की गुजारिश को मान लिया ताकि चल रही कूटनीतिक कोशिशें आगे बढ़ सकें। पाकिस्तान इस संघर्ष के बातचीत के जरिए हल के लिए अपनी पूरी कोशिशें जारी रखेगा। अमेरिका और इजरायल ने 28 फरवरी को ईरान पर हमले करते हुए युद्ध शुरू किया, जो करीब छह हफ्ते तक चला। आखिरकार 8 अप्रैल को ईरान और इजरायल-अमेरिका के बीच जंगबंदी हुई। इस बीच 11 अप्रैल को पाकिस्तान में ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत हुई लेकिन बेनतीजा रही। फिलहाल इस सीजफायर को आगे बढ़ाया गया है। संयुक्त राष्ट्र के सेक्रेटरी-जनरल एंटोनियो गुटेरेस ने ईरान के साथ सीजफीयर बढ़ाने के अमेरिका के ऐलान को तनाव कम करने की दिशा में अहम कदम बताया है। उन्होंने कहा है कि यह ऐलान ईरान और अमेरिका के बीच कूटनीति और भरोसा बनाने के लिए एक जरूरी जगह बनाएगा। हम सभी पक्षों को इस गति को बनाए रखने और ऐसे कामों से बचने की अपील करते हैं, जो सीजफायर को कमजोर कर सकते हैं। गौरतलब है कि इससे पहले भी, ट्रम्प, जो यह स्पष्ट करके ईरान को डराना चाहते थे कि वह ऐसा कुछ नहीं करेंगे, को खुद संघर्ष विराम को समाप्त करना पड़ा और युद्धविराम को अस्थायी रूप से बढ़ाना पड़ा।

यह ट्रम्प की लाचारी है, जिसे ईरान ने देखा है और स्पष्ट रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका के दबाव के सामने खड़े होने और पसीना बहाने के उनके इरादे को दर्शाता है। होर्मुज जलडमरूमध्य को वापस लेने, ईरान का परमाणु ईंधन वापस लेने, देश को राखने आदि के वादों के बाद, ट्रम्प को ईरान के सामने झुकना पड़ा। लोकसत्ता ने पिछले एक महीने अपने संपादकीय में कहा था कि वेनेजुएला नहीं, बल्कि ईरान ट्रंप के सामने आत्मसमर्पण नहीं करेगा, लेकिन ट्रंप को निराशा पहुंचाएगा। ईरान ने न केवल यह स्पष्ट रुख अपनाया है कि हम तब तक अमेरिका के साथ बातचीत नहीं करेंगे, बल्कि उसने इसे आज तक बरकरार रखा है। ईरान ने ऐसा नहीं किया होता, ताकि अगर वह अमेरिकी दबाव के आगे झुक जाता और पाकिस्तान में वार्ता में भाग लेता तो उसे एक तरह से आत्मसमर्पण माना जाता। ईरान ने ऐसा बिल्कुल नहीं होने दिया। उन्होंने अमेरिका को और आगे बढ़ाने का फैसला किया। ऐसा प्रतीत होता है। ऐसा नहीं है कि ईरान को इस बात का एहसास नहीं है कि ऐसा करने से जो भी संचार सूत्र होगा, वह भी टूट जाएगा। फिर भी वह इतना कठोर रुख अपनाता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि यदि संचार का पुल वास्तव में टूट जाता है, तो ईरान शारीरिक रूप से प्रभावित होगा, लेकिन यह स्पष्ट है कि नैतिक झटका केवल संयुक्त राज्य अमेरिका को ही भुगतना पड़ेगा, क्योंकि ईरान के पास खोने के लिए कुछ नहीं है। यदि संयुक्त राज्य अमेरिका नए हवाई हमले करता है, तो कुछ और पुल, इमारतें, बांध, बिजली संयंत्र आदि ध्वस्त हो जाएंगे और कुछ सौ लोगों की जान चली जाएगी। वे वैसे भी चले गए हैं और अचल संपत्ति बर्बाद हो गई है। ऐसा नहीं है कि ईरान ने गणना नहीं की कि संयुक्त राज्य अमेरिका और क्या करेगा , लेकिन इसके विपरीत, इसने संयुक्त राज्य अमेरिका की समस्या को बढ़ा दिया, क्योंकि अगर ईरान वार्ता और सुलह के लिए सहमत नहीं होता, तो यह संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए एक सवाल होता।लेकिन झुकेंगे नहीं झुकेंगे की नीति गिर गई है। किसी भी युद्ध में बुद्धिमान लोग एक सावधानी बरतते हैं।

यह सच्चाई और बुद्धिमत्ता रूस और यूक्रेन के बीच लंबे समय तक चले युद्ध में भी प्रदर्शित होगी, जिन्होंने विरोधी देशों के राष्ट्राध्यक्षों पर हमला नहीं किया है, इसलिए नहीं कि वे ऐसा नहीं कर सकते, बल्कि इसलिए कि उन्हें एक महत्वपूर्ण क्षण में बातचीत के लिए आगे आने के लिए विपक्ष के शीर्ष नेतृत्व की आवश्यकता है। प्रतिद्वंद्वी को सबसे अधिक नुकसान होता है, और यह एक तरह की लाचारी पैदा करता है। यह 'जो आप करना चाहते हैं वह करें' का एक जिद्दी स्वर बनाता है। यह ईरान के व्यवहार से स्पष्ट है। यह सच है कि ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामेनेई पहले हमले में मारे गए थे क्योंकि इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू एक नरसंहार नेता थे। लेकिन इससे सवाल खड़ा हो गया कि किससे बात की जाए। खामेनी, जो अपने नब्बे के दशक में हैं, कितने समय तक स्वाभाविक रूप से जीवित रहे होंगे? लेकिन जब तक ऐसा था, संयुक्त राज्य अमेरिका के पास ईरान के साथ बातचीत करने का एक तरीका था, लेकिन बहादुरी के नाम पर उन्होंने पहले झटके में खामेनेई को मार डाला, और फिर संयुक्त राज्य अमेरिका शासन परिवर्तन, शासन परिवर्तन चाहता था, और ऐसा नहीं हुआ। अगर खामेनेई वहां होते, तो कम से कम बातचीत का विकल्प खुला होता।

ट्रम्प ने इसे नहीं देखा, क्योंकि आज के अमेरिकी नेतृत्व में इसे देखने की दूरदर्शिता का अभाव है। यह संयुक्त राज्य अमेरिका को और भी अधिक नुकसान पहुंचाएगा। क्योंकि ईरान युद्ध अपेक्षा से अधिक तनावपूर्ण था और अनुचित तनाव झेल रहा था, यूरोपीय सहयोगी संयुक्त राज्य अमेरिका से हट गए, और इज़राइल, जिसके लिए संयुक्त राज्य अमेरिका ने युद्ध का खामियाजा उठाया, भी प्रसिद्ध हो गया है, और चीन और रूस को एक छोटे पैमाने पर ईरानी ड्रोन द्वारा लक्षित किए जाने का अपमान सहना पड़ा है जिसने लाखों अमेरिकी प्रणालियों को निशाना बनाया है। हितों का टकराव। इसलिए संयुक्त राज्य अमेरिका अपनी पूरी ताकत के साथ इस युद्ध में उतर गया; लेकिन अब राष्ट्रपति को इस सवाल का सामना करना पड़ रहा है कि उन्हें घर पर क्या मिला; यह आश्चर्य की बात नहीं है कि ईरान ने संयुक्त राज्य अमेरिका से अपना हाथ वापस लेने का साहस दिखाया है, और संयुक्त राज्य अमेरिका के पास इसे पुनर्जीवित करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। संयुक्त राज्य अमेरिका चाहता है कि युद्धविराम को दीर्घकालिक संघर्ष विराम में बदल दिया जाए। ईरान अमेरिका को नीची नजर से देखने को तैयार नहीं है, लेकिन अमेरिका को यह इनकार झेलना होगा। क्यूबा के बाद भी अमेरिकी राष्ट्रपति इस अप्रैल में खुद को बेवकूफ नहीं बना पाएंगे।

नजरिया

रामधारी सिंह दिनकर : पुण्यतिथि (24 अप्रैल) पर विशेष

ओजस्विता और देशभक्ति के प्रतीक थे दिनकर

डॉ ज्योत्स्ना आर्य सोनी
मोबाइल : 8147464101

उनका साहित्य संस्कृतिवाद का प्रतीक माना जाता है। उन्होंने भारतीय संस्कृति, भाषा और राष्ट्र के अंतर्संबंधों को अपने साहित्य के केंद्र में रखा। उनके अनुसार संस्कृति के माध्यम से ही हम मानवीय मूल्यों को संरक्षित कर सकते हैं। उन्होंने अपनी कविताओं के माध्यम से जनता में राष्ट्रवाद की भावना जागृत की। उनकी कविताओं में ब्रिटिश साम्राज्य की नीतियों, गरीबी, अशिक्षा और सामाजिक कुरीतियों के प्रति ओजस्वी स्वर दिखाई देता है।

राष्ट्रकवि के रूप में समादृत और लोकप्रिय कवि रामधारी सिंह दिनकर का जन्म 23 सितंबर 1908 को बिहार के बेगूसराय जिले के सिमरिया गाँव में एक कृषक परिवार में हुआ था। उनका जीवन बचपन से ही संघर्षमय रहा। शिक्षा के लिए उन्हें पैदल चलकर गंगा घाट तक जाना पड़ता था और फिर नाव से पार उतरकर पुन: पैदल विद्यालय जाना होता था। इन्होंने पटना विश्वविद्यालय से बीए की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद आजीविका के लिए पहले अध्यापक के रूप में कार्य किया, फिर बिहार सरकार में सब-रजिस्ट्रार के पद पर नियुक्त हुए।

अंग्रेज सरकार के युद्ध-प्रचार विभाग में कार्यरत रहते हुए भी उन्होंने उनके विरुद्ध कविताएँ लिखीं। आज़ादी के पश्चात इन्होंने मुजफ्फरपुर कॉलेज में अंग्रेज़ी विभाग के अध्यक्ष पद पर कार्य किया। वर्ष 1952 में वे राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुए, जहाँ दो कार्यकाल तक संसद सदस्य के रूप में अपना योगदान दिया। इसके उपरांत वे भागलपुर विश्वविद्यालय के कुलपति नियुक्त किए गए और एक वर्ष बाद भारत सरकार ने उन्हें हिंदी सलाहकार नियुक्त कर पुन: दिल्ली बुला लिया।

ओज, विद्रोह और आक्रोश के साथ-साथ उन्होंने कोमल एवं श्रृंगारिक कविताएँ भी लिखीं। हाई स्कूल के दिनों से ही उन्होंने लेखन प्रारंभ कर दिया था। रामवृक्ष बेनीपुरी द्वारा प्रकाशित 'युवक' पत्रिका में वे 'अमिताभ' नाम से अपनी कविताएँ भेजते थे। बारदोली 'विजय संदेश' उनका पहला काव्य-संग्रह था। दिनकर ने प्रबंध काव्य और मुक्तक दोनों विधाओं में रचनाएँ कीं। इन्होंने निबंध, संस्मरण, आलोचना, डायरी और इतिहास आदि के माध्यम से भी हिंदी साहित्य को समृद्ध किया।

'प्रणभंग', 'रसवंती', 'द्वंद्वगीत', 'रेणुका', 'सामधेनी', 'कुरुक्षेत्र', 'रश्मिरथी', 'उर्वशी', 'परशुराम की प्रतिज्ञा', 'बापू', 'इतिहास के आँसू', 'सीपी और शंख' आदि अनेक काव्य-रचनाएँ उनकी प्रमुख कृतियाँ हैं। गद्य साहित्य में 'अर्धनारीश्वर', 'नीम के पत्ते', 'धूप और धुआँ', 'तीन कुसुम', 'नए सुभाषित', 'संस्कृति के चार अध्याय', 'भारत की सांस्कृतिक एकता' आदि कृतियाँ उल्लेखनीय हैं। रामधारी सिंह दिनकर का साहित्य भारतीय राष्ट्रवाद और इतिहास को न केवल प्रकट करता है, बल्कि उसकी व्याख्या भी करता है। उनका साहित्य संस्कृतिवाद का प्रतीक माना जाता है। उन्होंने भारतीय संस्कृति, भाषा और राष्ट्र के अंतर्संबंधों को अपने साहित्य के केंद्र में रखा। उनके अनुसार संस्कृति के माध्यम से ही हम मानवीय मूल्यों को संरक्षित कर सकते हैं।

उन्होंने अपनी कविताओं के माध्यम से जनता में राष्ट्रवाद की भावना जागृत की। उनकी कविताओं में ब्रिटिश साम्राज्य की नीतियों, गरीबी, अशिक्षा और सामाजिक कुरीतियों के प्रति ओजस्वी स्वर दिखाई देता है। 'संस्कृति के चार अध्याय' में उन्होंने भारतीय एवं विश्व साहित्य के संदर्भ में सामाजिक-सांस्कृतिक विचार प्रस्तुत किए हैं। उनके प्रबंध 'काव्य कुरुक्षेत्र', 'उर्वशी' और 'रश्मिरथी' के पात्रों के माध्यम से उन्होंने मानवीय संवेदनाओं, युद्ध, कर्तव्य और अधिकारों के द्वंद्व को चित्रित किया है। वर्तमान समय में उनकी रचनाएँ उतनी ही प्रासंगिक हैं जितनी पहले थीं, क्योंकि वे सामाजिक न्याय और जन-जागरण की बात करती हैं। दिनकर का समग्र साहित्य भारतीय जनता में आत्मविश्वास, देशप्रेम, वीरता, ईमानदारी, स्वाभिमान और कर्तव्यपरायणता जैसे गुणों का विकास करता है। आज जब दुनिया बारूद के ढेर पर बैठी है और मानवता के नाम पर अराजकता, असमानता और अव्यवस्था फैल रही है, ऐसे विषम वातावरण में उनका साहित्य आशा की किरण जगाता है। यह मानवता पर मंडरा रहे खतरे के प्रति चेतावनी देता है और एक बेहतर भविष्य की ओर प्रेरित करता है।

उनकी राष्ट्रीय चेतना में भोगवाद, भाग्यवाद, अकर्मण्यता, असमानता, सांप्रदायिकता और ब्राह्मणवाद का विरोध दिखाई देता है। उनकी राष्ट्रीयता में कर्म और स्वाभिमान दोनों का समन्वय है। सामाजिक कुरीतियों और धार्मिक पाखंड के विरुद्ध उनका काव्य मानवता का सशक्त प्रतीक है।

तो ले, मैं भी अब जाता हूँ
अंतिम संकल्प सुनाता हूँ
याचना नहीं अब रण होगा
जीवन-जय या कि मरण होगा
(रश्मिरथी, पृष्ठ 44)

राष्ट्रकवि केवल राष्ट्र के लिए ही नहीं लिखता, बल्कि वह उन अनुभूतियों को अभिव्यक्त करता है जो सत्य, न्याय और मानवता की रक्षा से जुड़ी होती हैं। क्षेत्रीयता या संकीर्णता किसी कवि को महान नहीं बनाती, बल्कि उसकी मानवीय संवेदनाएँ और तटस्थ दृष्टिकोण उसे महान बनाते हैं।

शांति नहीं तब तक, जब तक
सुख-भाग न नर का सम हो,
नहीं किसी को बहुत अधिक हो,
नहीं किसी को कम हो।

दिनकर जी की राष्ट्रीयता समानता, बंधुत्व, कर्मशीलता, पुरुषार्थ, स्वाभिमान और आत्मबल को पुष्ट करती है। वे राष्ट्रीय चेतना के कवि हैं। उनका साहित्य व्यक्ति को अपने उत्तरदायित्व समझने और उन्हें निभाने के लिए प्रेरित करता है। उनकी रचनाएँ कल भी प्रासंगिक थीं, आज भी हैं और भविष्य में भी रहेंगी।

– लेखिका एसआरएन आदर्श महाविद्यालय में सहायक प्राध्यापक हैं।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

प्रदर्शन

शिमला के चौड़ा मैदान में 'महिला जन आक्रोश पद यात्रा' के दौरान महिलाओं ने कांग्रेस पार्टी के खिलाफ नारे लगाते हुए।

भारत बिना सुधारों के आत्मसंतोष का जोखिम उठाता है : बर्नस्टीन ने प्रधानमंत्री मोदी को लिखे पत्र में कहा

नई दिल्ली/भाषा

ब्रोकरेज कंपनी बर्नस्टीन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम लिखे एक खुले पत्र में आगाह किया कि यदि भारत संरचनात्मक सुधारों, विशेषकर रोजगार, विनिर्माण एवं नवाचार में तेजी नहीं लाता है तो हाल के आर्थिक लाभ व्यर्थ हो सकते हैं।इसमें कहा गया है, पिछले छह वर्ष दिखाते हैं कि जब नीतियां समन्वित होती हैं तो भारत क्या कर सकता है। लेकिन साथ ही एक जोखिम भी है..., यह मान लेना कि हाल की सफलता आगे भी जारी रहेगी और इस बात को कम आंकना कि अभी कितना काम बाकी है।पत्र में पूंजीगत व्यय की ओर झुकाव से प्रेरित मजबूत वृहद स्थिरता और आय वृद्धि का उल्लेख किया गया।बर्नस्टीन ने कहा कि वैश्विक जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) रैंकिंग में भारत की बढ़त और सब्सिडी के बजाय बुनियादी ढांचे पर ध्यान ने वृद्धि को आधार दिया है, लेकिन वैश्विक परिदृश्य तेजी से बदल रहा है जहां आपूर्ति श्रृंखलाएं पुनर्गठित हो रही हैं और प्रौद्योगिकी व्यवधान तेज हो रहा है। एक प्रमुख चिंता रोजगार है, खासकर तब जब 'जनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' (जेन एआई) उस सेवा क्षेत्र के लिए खतरा बन रहा है जिसने दशकों तक भारत के मध्यम वर्ग को आगे बढ़ाया है। बर्नस्टीन ने साथ ही यह भी सवाल उठाया कि क्या विनिर्माण क्षेत्र बड़े पैमाने पर विस्थापित श्रम को समायोजित कर सकता है। यह देखते हुए कि निजी पूंजीगत व्यय चयनात्मक बना हुआ है और बहुचर्चित चीन+1 बदलाव को रोजगार में तब्दील होने में समय लग रहा है।

पत्र में कहा गया है, अंततः, कोई देश अपने लोगों को कहां और कैसे तैनात करता है, यही उसके दीर्घकालिक भविष्य को निर्धारित करता है।इसमें कहा गया , क्या हमारी वृद्धि गाथा का अगला चरण अधिक इंजीनियर, उत्पाद निर्माताओं और नवप्रवर्तकों का सृजन करेगा, या यह मुख्य रूप से अधिक चालकों, डिलीवरी कर्मचारियों और घरेलू सहायकों का सृजन करेगा?

संरचनात्मक बाधाएं

पत्र में कृषि को एक प्रमुख बाधा बताया गया, जहां लगभग 42-45 प्रतिशत कार्यबल केवल 15-16 प्रतिशत जीडीपी में योगदान देता है। इसमें कृषि कानूनों की वापसी के बावजूद सुधारों को फिर से शुरू करने, सिंचाई बढ़ाने और सब्सिडी पर निर्भरता कम करने की बात कही गई। ऊर्जा के क्षेत्र में, ब्रोकरेज कंपनी ने बिजली वितरण में लगातार अक्षमताओं और आयातित कच्चे तेल पर भारी निर्भरता (जो लगभग 88 प्रतिशत मांग पूरी करता है) की ओर इशारा किया। इसमें आंतरिक दहन इंजन वाहनों से चरणबद्ध रूप से हटने सहित इलेक्ट्रिक परिवहन की ओर स्पष्ट बदलाव का आह्वान किया गया। बर्नस्टीन ने आगाह किया कि भारत बुनियादी प्रौद्योगिकी विकसित करने के बजाय डेटा सेंटर पर ध्यान केंद्रित करके कृत्रिम मेधा (एआई) में पीछे रह सकता है। पत्र में कहा गया, यदि भारतीय डेटा का उपयोग वैश्विक मॉडल को प्रशिक्षित करने में होता रहा और घरेलू क्षमता का निर्माण नहीं हुआ, तो भारत एआई अर्थव्यवस्था में स्थायी उपभोक्ता बन सकता है।

बर्नस्टीन ने राज्यों द्वारा बढ़ती नकद हस्तांतरण योजनाओं पर भी चिंता जताई, जिनका वार्षिक व्यय 1.7-2.5 लाख करोड़ रुपए आंका गया है।

इसमें कहा गया है, निवेश की कमी से जूझ रही उभरती अर्थव्यवस्था के लिए यह वृद्धि हासिल करने का बहुत महंगा तरीका है। पत्र में आगाह किया गया है कि ऐसा खर्च बुनियादी ढांचे के निवेश को प्रभावित कर सकता है और मुद्रास्फीति के जोखिम बढ़ा सकता है।

भारत में अरबपतियों की संख्या 2031 तक 51 प्रतिशत बढ़कर 313 होने का अनुमान

नई दिल्ली/भाषा। देश में प्रौद्योगिकी, औद्योगिक क्षेत्रों और पूंजी बाजारों में संपत्ति सृजन से 2031 तक अत्यधिक नेटवर्थ वाले व्यक्तियों की संख्या 25,217 और अरबपतियों की 313 होने का अनुमान है। अत्यधिक नेटवर्थ वाले व्यक्ति (यूएचएनडब्ल्यूआई) वे होते हैं जिनकी कुल संपत्ति तीन करोड़ डॉलर या उससे अधिक होती है। वर्तमान में भारत में ऐसे व्यक्तियों की संख्या 19,877 है। जबकि अरबपतियों की संख्या 207 हैं। रियल एस्टेट सलाहकार नाइट फ्रैंक ने अपनी 'द वेल्थ रिपोर्ट 2026' बृहस्पतिवार को जारी की। इसमें कहा गया कि वैश्विक अनिश्चितताओं, बढ़ती ब्याज दरों की चिंताओं और असमान आर्थिक प्रदर्शन के बावजूद वैश्विक संपत्ति सृजन में 'तेजी से वृद्धि' हुई है।

नाइट फ्रैंक के अनुसार, भारत में यूएचएनडब्ल्यूआई की संख्या 19,877 से बढ़कर 2031 तक 25,217 होने का अनुमान है, जो वैश्विक संपत्ति परिदृश्य में उसकी बढ़ती भूमिका को दर्शाता है। साथ ही प्रौद्योगिकी, औद्योगिक क्षेत्रों और पूंजी बाजारों में असाधारण संपत्ति सृजन को भी रेखांकित करता है। भारत में यूएचएनडब्ल्यूआई की कुल संख्या में मुंबई की हिस्सेदारी 35.4 प्रतिशत है। भारत अब दुनिया में यूएचएनडब्ल्यूआई की छठी सबसे बड़ी आबादी वाला देश है। वैश्विक स्तर पर यूएचएनडब्ल्यूआई की संख्या 2021 के 5,51,435 से बढ़कर 7,13,626 हो गई है।

नाइट फ्रैंक के अनुसार, देश में पिछले पांच वर्ष में अरबपतियों की संख्या 58 प्रतिशत बढ़कर 2026 में 207 हो गई है जिससे यह अमेरिका (914) और चीन (485) के बाद तीसरे स्थान पर आ गया है।

ओटीटी के दौर में बदला भारतीय सिनेमा का चेहरा : पल्लवी चटर्जी

मुंबई/एजेन्सी

बंगाली सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री पल्लवी चटर्जी ने बातचीत में मनोरंजन जगत में आए बदलावों और करियर के उतार-चढ़ाव पर बात की। उन्होंने बताया कि कैसे ओटीटी ने कहानी कहने के तरीके और कलाकारों के लिए उपलब्धियां ला दी हैं। अभिनेत्री ने कहा, मैं एक ऐसे परिवार से ताल्लुक रखती हूं, जो बचपन से ही इंडस्ट्री को देखती हुई हूं। एक अभिनेत्री के तौर पर सिर्फ डायलॉग्स से परे भी बहुत सी चीजें नोटिस करते हैं। आस-पास के माहौल से सीखने और समझने के लिए बहुत कुछ होता है। उन्होंने कहा, ओटीटी के आने से पहले एक निश्चित उम्र के बाद अभिनेत्रियों के लिए भूमिकाएं बहुत सीमित हो जाती थीं। उन्हें अक्सर एक ही जैसे किरदारों में बांध दिया जाता था। मैं कुछ सार्थक और रचनात्मक करना चाहती थी, इसलिए मैंने प्रोडक्शन की दुनिया में कदम रखा।अभिनेत्री ने आगे बताया कि प्रोडक्शन के दौरान उन्होंने सेट पर उपकरण उठाने तक का काम किया है। उनका मानना है कि फिल्म बनाना एक सामूहिक प्रयास है। दर्शक अक्सर फिल्म को अच्छी या बुरी कहकर आसानी से राय बना लेते हैं, लेकिन उसके पीछे की मेहनत, निवेश और भावनाओं को नहीं देखते।पल्लवी चटर्जी ने कई भाषाई फिल्म इंडस्ट्री में काम किया है। विभिन्न भाषाओं में काम करने के अनुभव को उन्होंने के साथ साझा किया। उन्होंने बताया कि एक अभिनेता के लिए किरदार सबसे महत्वपूर्ण होता है, लेकिन भाषा पर पकड़ होना भी उतना ही अनिवार्य है। उन्होंने कहा, यदि कोई अभिनेता भाषा में सहज नहीं है, तो उसका पूरा ध्यान अभिनय के बजाय सही संवाद बोलने पर लगा रहता है। मैं हिंदी और बंगाली में सहज हूं, लेकिन जब मैंने उड़िया फिल्म की, तो मैंने वहां के स्थानीय लोगों और तकनीशियनों के साथ घंटों बैठकर अपने उच्चारण को सुधारा।

बाबा महाकाल के दर पहुंची 'शैतान' एक्ट्रेस जानकी बोदीवाला, नंदी महाराज के कानों में कही मनोकामना

उज्जैन/एजेन्सी

अजय देवगन की फिल्म 'शैतान' से हिंदी फिल्मों में कदम रखने वाली अभिनेत्री जानकी बोदीवाला ने बुधवार को उज्जैन पहुंचकर विश्व प्रसिद्ध महाकालेश्वर के दर्शन करने पहुंची। अभिनेत्री ने नंदी हॉल से बाबा महाकाल की भस्म आरती और पूजन में भाग लिया। भस्म के दौरान हजारों की संख्या में भक्त मौजूद रहे और पूरा मंदिर परिसर ओम नमः पार्वती पतये हर हर महादेव के उद्घोष से गूंज उठा। मुख्य रूप से गुजराती सिनेमा में सक्रिय अभिनेत्री जानकी बोदीवाला बाबा महाकाल के दर पर भक्ति के रंग में रंगी नजर आई। नंदी मंडपम के पास बैठकर उन्होंने बाबा का ध्यान किया और नंदी महाराज के गानों में अपनी मनोकामना कही। दर्शन के बाद अभिनेत्री ने कहा, बाबा महाकाल के दर्शन के अनुभव को शब्दों में बयां कर पाना नामुमकिन है क्योंकि यह भावना हमारे मन के भीतर होती है। आज बहुत अच्छे से दर्शन हुए और मैं उन सभी लोगों को धन्यवाद करती हूं, जिन्होंने इतने अच्छे दर्शन कराने में हमारी मदद की। बाबा से यही कामना है कि वो बार-बार अपने दर पर बुलाते रहें।

जानकी ने अपने करियर की शुरुआत ब्लॉकबस्टर गुजराती फिल्म 'छेलो दिवस' से की थी, जिसके बाद उन्होंने 'नाड़ी दोष' जैसी कई सफल फिल्में दीं। हाल ही में उन्होंने अजय देवगन के साथ बॉलीवुड फिल्म 'शैतान' में अपनी दमदार एक्टिंग से देशभर में पहचान बनाई है। सिनेमा और ओटीटी प्लेटफॉर्म पर सक्रिय जानकी बाबा का आशीर्वाद लेकर बेहद अभिभूत दिखीं।

बता दें कि अभिनेत्री ने पहले गुजराती फिल्म वश में काम किया, जिसमें उनकी एक्टिंग को खूब सराहा गया। इसी फिल्म का रीमेक बॉलीवुड में 'शैतान' के नाम से बना और शैतान में भी जानकी को ही बतौर लीड कास्ट किया गया, जो एक वशीकरण से पीड़ित लड़की है। गुजराती फिल्म वश का दूसरा सीक्वल 'वश लेवल-2' भी साल 2025 में रिलीज हो चुका है। इस फिल्म ने भी सिनेमा पर गहरी छाप छोड़ी। फिल्म का डायरेक्शन कृष्णदेव याग्निक ने किया और फिल्म में जानकी के अलावा, हितू कनोडिया, हितेन कुमार और मोनल गज्जर ने अहम रोल्स किए हैं।

'दादी की शादी' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

मुंबई। बॉलीवुड में इन दिनों फिल्म 'दादी की शादी' की चर्चा जोरों पर है। इस कड़ी में मेकर्स ने फिल्म का ट्रेलर जारी कर दिया, जो सोशल मीडिया पर वायरल है। इसमें कॉमेडी, इमोशन और रिश्तों की उलझनें एक साथ देखने को मिल रही हैं। ट्रेलर में जहां हंसी के पल हैं, वहीं कई जगह कहानी में ट्विस्ट भी हैं, जो दर्शकों की उत्सुकता बढ़ाते हैं। ट्रेलर की शुरुआत एक नॉर्मल फैमिली सेटअप से होती है, लेकिन धीरे-धीरे कहानी एक बड़े और मजेदार मोड़ पर पहुंच जाती है। इसमें दिखाया गया है कि कैसे एक परिवार में शादी को लेकर हलचल मच जाती है। कपिल शर्मा का किरदार टोनी तलाक के बाद अपनी नई जिंदगी शुरू करना चाहता है और सादिया खतीब से दूसरी शादी करने की तैयारी में होता है। सब कुछ ठीक चल रहा होता है, लेकिन तभी कहानी में अचानक बड़ा बदलाव आता है।

दरअसल, सादिया खतीब की दादी (नीतू कपूर) शादी करने का फैसला लेती हैं। ऐसे में टोनी के दादा (योगराज सिंह) कहते हैं कि अगर लड़की की मां ने शादी की, तो वह रिश्ता तोड़ देंगे। इसके बाद पूरे परिवार को उलझन में दिखाया जाता है।ट्रेलर में दिखाया गया है कि दादी को शादी करने से रोकने के लिए मनाया जाता है। कहानी में दिलचस्प मोड़ तब आता है, जब कपिल शर्मा यह पता लगाने की कोशिश करते हैं कि आखिर दादी की जिंदगी में कौन व्यक्ति आया है। जैसे-जैसे वह इस रहस्य को सुलझाने की कोशिश करते हैं, कहानी ज्यादा मजेदार और उलझी हुई होती जाती है।ट्रेलर में रिद्धिमा कपूर की झलक भी दिखाई गई है, जो इस फिल्म से पर्दे पर डेब्यू कर रही हैं। वह अपनी रियल मां नीतू कपूर की बेटी का किरदार निभा रही हैं।

इसमें कुछ सस्पेंस वाले हिस्से भी दिखाए गए हैं, लेकिन मेकर्स ने कई चीजें छुपाकर रखी हैं ताकि दर्शकों की रुचि बनी रहे। फिल्म का निर्देशन आशीष आर मोहन ने किया है। फिल्म में कपिल शर्मा, नीतू कपूर और रिद्धिमा कपूर के अलावा साउथ सिनेमा के सुपरस्टार सरथ कुमार, निखत हेगड़े, तेजस्विनी कोल्हापुरे और सादिया खतीब भी हैं। 'दादी की शादी' 8 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है।

सिनेमा कभी भी एक इंसान का सफर नहीं होता : संयुक्ता

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री संयुक्ता अपनी लगातार शानदार कमाई के दम पर इंडस्ट्री में एक मजबूत पहचान बना रही हैं। अपनी नैचुरल स्क्रीन प्रेजेंस और वर्सेटिलिटी के लिए जानने जाने वाली संयुक्ता ने धीरे-धीरे दर्शकों के बीच एक खास जगह बना ली है। अब उनके इस सफर में एक और अहम पड़ाव जुड़ गया है। उन्होंने अपने आने वाले प्रोजेक्ट ब्लैक गोल्ड का आखिरी शेड्यूल पूरा कर लिया है। फैंस को इस सफर की झलक देते हुए संयुक्ता ने सोशल मीडिया पर सेट के कुछ बिहाइंड-द-सीन्स मोमेंट्स शेयर किए, साथ ही एक भावुक नोट भी लिखा, जिसमें उन्होंने पूरी टीम के प्रति आभार जताया और इस अनुभव को याद किया। अपने नोट में उन्होंने सिनेमा की टीमवर्क वाली भावना को व्यक्त करते हुए लिखा: दो दिन पहले हमने इश्ररलज्ञत्रेश्रव का एक शेड्यूल पूरा किया, और मेरा दिल भर आया है श सिनेमा कभी भी एक व्यक्ति का सफर नहीं होता।

यह अनगिनत हाथों, दिलों और इरादों का संगम है, जहां हर विभाग एक ही दिशा में काम करता है। हमने यहां जो रचा है, वह उसी सामूहिक भावना का प्रतिबिंब है, और मैं इसके लिए दिल से आभारी हूं। षळश्रीूसळ सर- हर चीज के लिए धन्यवाद। आपका विश्वास और मार्गदर्शन शब्दों से परे है। मंचरियल ने हमें हर तरह से परखा। 4045ओउ की तेज गर्मी और तपता हुआ सूरज- सब कुछ मुश्किल था, लेकिन हमारी टीम भी उतनी ही मजबूत रही।

गर्मी, थकान और हर मुश्किल के बीच, आप सबने हिम्मत, जुनून और उद्देश्य के साथ काम किया। ऐसी दृढ़ता बहुत कम देखने को मिलती है, और मुझे गर्व है कि मैं इसका हिस्सा रही। हर एक क्रू मेंबर को धन्यवाद, आपने नामुमकिन को मुमकिन बना दिया। काम की बात करें तो संयुक्ता के पास आगे कई दिलचस्प प्रोजेक्ट्स हैं। वह जल्द ही स्वयंभू, ब्लैक गोल्ड और अमेज़न प्राइम वीडियो के शो गुव्वाला चेरुवु घाट में नजर आएंगी। इसके अलावा भी उनके पास कुछ और अनौंस नके गए प्रोजेक्ट्स हैं, जो उनके करियर के इस दौर को और भी खास बनाने वाले हैं।

खुशी

प्रयागराज में गुरुवार को उत्तर प्रदेश बोर्ड परीक्षा के नतीजों की घोषणा के बाद स्टूडेंट्स एक स्टूडेंट को गुलाल लगाते हुए।

अकेलेपन में टूट गई थीं मालविका मोहनन, बोलीं- 'कमरे में लौटकर बात करने वाला कोई नहीं था'

मुंबई/एजेन्सी

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की चर्चित अभिनेत्री मालविका मोहनन अक्सर अपनी फिल्मों और ग्लैमरस अंदाज को लेकर चर्चा में रहती हैं। लेकिन, चमकती दुनिया के पीछे कलाकारों की जिंदगी में कई बार ऐसा अकेलापन भी होता है, जिसके बारे में लोग कम ही जानते हैं। हाल ही में मालविका ने अपने दिल की बात फैंस के साथ साझा की और बताया कि एक समय ऐसा आया था, जब वह अंदर से काफी टूट गई थीं। उन्होंने बताया कि परिवार और अपनों से दूर रहने की वजह से वह खुद को बेहद अकेला महसूस करने लगी थीं। दरअसल, मालविका मोहनन ने इंस्टाग्राम पर फैंस के साथ 'आस्क मी एनीथिंग' सेशन रखा था। इस दौरान फैंस ने उनसे कई निजी और प्रोफेशनल सवाल पूछे। इसी बीच एक फैन ने उनसे पूछा कि वह आखिरी बार कब रोई थीं? इस सवाल का जवाब देते हुए मालविका ने कहा, ''पिछले महीने मैं काम के सिलसिले में चेन्नई में थीं। वहां मुझे लंबे समय तक रुकना पड़ा था। मेरी टीम बहुत अच्छी थी और काम भी ठीक चल रहा था, लेकिन लंबे समय तक घर और परिवार से दूर रहने की वजह से मैं धीरे-धीरे अकेलापन महसूस करने लगी थीं।'' उन्होंने कहा, ''दिनभर शूटिंग और काम में व्यस्त रहने के बाद जब मैं रात में अपने होटल के कमरे में लौटती थीं, तो वहां मुझसे बात करने वाला कोई नहीं होता था। यही चीज मुझे अंदर से परेशान करने लगी। मैं मानसिक रूप से काफी उदास थी। लगातार अकेले रहने का असर मेरे मन पर पड़ने लगा था, जिसके वजह से मुझे रोना आता था।''अपने निजी अनुभव साझा करने के साथ-साथ मालविका ने अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स के बारे में भी बात की। उन्होंने बताया कि वह इस समय अभिनेता विजय सेतुपति के साथ एक तमिल फिल्म में काम कर रही हैं। इस फिल्म का निर्देशन त्यागराजन कुमार राजा कर रहे हैं।मालविका ने निर्देशक की तारीफ करते हुए कहा कि वह सबसे बेहतरीन फिल्म निर्माताओं में से एक हैं। मालविका ने बताया कि इस फिल्म का नाम 'पॉकेट नॉवेल' है और यह इसी साल रिलीज होने वाली है। उन्होंने कहा, ''इस प्रोजेक्ट को लेकर मैं बेहद उत्साहित हूं और उम्मीद करती हूं कि दर्शकों को यह फिल्म जरूर पसंद आएगी। इस फिल्म पर काम करना मेरे लिए खास अनुभव रहा है।''

कुब्रा सैत ने की अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर पर खुलकर बात

मुंबई/एजेन्सी

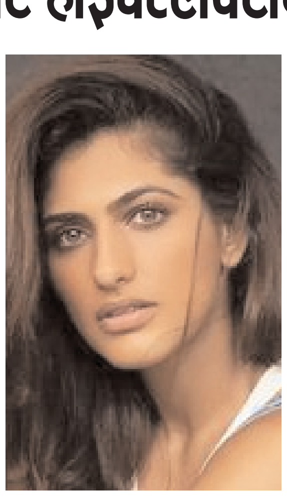

अभिनेत्री कुब्रा सैत ने हाल ही में अपनी सोशल मीडिया पोस्ट के ज़रिए अपने अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर (एडीएचडी) के सफर के बारे में खुलकर बात की और इसे अपनी कमी के बजाय अपना सुपर पावर बताया। एक ईमानदार और दिल से किए गए इस वीडियो में कुब्रा ने बताया कि कैसे सालों की सेल्फ-रिफ्लेक्शन और थेरेपी ने उन्हें अपने मन को बेहतर तरीके से समझने में मदद की। उन्होंने माना कि एडीएचडी के साथ कुछ चुनौतियां जरूर आती हैं, लेकिन इसे अपनाने से उन्होंने अपनी क्रिएटिविटी, फोकस और इंडिविजुअलिटी को नए तरीके से पहचानने में काफी मदद मिली। गौरतलब है कि एडीएचडी एक तरह की मानसिक परेशानी है, जिसमें आप चाहकर भी किसी एक काम पर फॉक्स नहीं कर पाते। कुब्रा ने इस पर बात करते हुए अपने कैप्शन में लिखा है, गुड मॉर्निंग, ह्यूमंस मैं पूरी तरह से एक फंक्शनल एडीएचडी दिमाग हूं। हालांकि मुझे इस बारे में बात करने में वक्त लगा, लेकिन अब ऐसा लगता है कि थेरेपी ने मुझे न सिर्फ क्लैरिटी दी, बल्कि इसने मुझे फोकस करने की क्षमता और अपनी अंदरूनी आवाज़ की खूबसूरती को समझने का नजरिया भी दिया।

यही वजह है कि मैं आज पहले से ज्यादा कॉन्फिडेंट और खुश हूं। कुब्रा ने यह भी साझा किया कि पहले शायद वह अपनी नैचुरल प्रवृत्ति के खिलाफ काम करती थीं, लेकिन अब उन्होंने इस पर विजय पा ली है। इस वीडियो के साथ उन्होंने लोगों को भी अपने अनुभवों को अपनाने और खुलकर साझा करने के लिए प्रेरित किया है।फिलहाल अपने अलग और दमदार काम के लिए जानी जाने वाली कुब्रा सैत ने फिल्मों और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर एक खास पहचान बनाई है और सन ऑफ सरदार 2, ट्रायल और संकल्प जैसे प्रोजेक्ट्स में उनके काम ने उनकी वर्सेटिलिटी को साबित किया है। कुब्रा की यह बात वाकई काबिले गौर है कि एडीएचडी को लेकर उनकी यह ईमानदार बातचीत न सिर्फ मेंटल हेल्थ से जुड़े मुद्दों को सामान्य बनाने में मदद करती है, बल्कि यह भी दिखाती है कि हमारी अलग-अलग खूबियां भी हमारी असली ताकत हो सकती हैं।

पुस्तक-महिमा व प्रभावना के साथ मनाया पुस्तक दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। श्री श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन संघ, साहुकारपेट के तत्वावधान में गुरुवार को मिंट स्ट्रीट स्थित जैन स्थानक में राजेशमुनि और ऋषभमुनि की निश्रा में धर्मसभा हुई। विश्व पुस्तक दिवस के उपलक्ष्य में अभुषा फाउंडेशन द्वारा हाल ही प्रकाशित पुस्तक 'नानेश-नेमी निर्झर' की प्रतियाँ संघ के उपाध्यक्ष सज्जनराज सुराणा एवं अणुव्रत समिति की अध्यक्ष सुभद्रा लुणावत को समर्पित की गई। सभा में उपस्थित श्रावक श्राविकाओं को पुस्तक की प्रभावना दी गई।

इस पुस्तक में एक संत और एक साहित्यकार की 500 से अधिक सूक्तियाँ हैं। संघ अध्यक्ष डॉ. संजय पींचा पुस्तक के लिए डॉ. दिलीप धींग का आभार जताया। कवि डॉ. धींग ने कहा कि पुस्तक का महत्व कल था, आज है और कल भी रहेगा। स्वाध्याय करना पुस्तक का सच्चा सम्मान है। उनकी माता श्राविकारत्न उमरावदेवी धींग द्वारा 36 साल पहले दी गई प्रेरणा इस पुस्तक से जुड़ी है।

राजेशमुनि ने कहा कि प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव ने ब्राह्मी के जरिए लिपि और लेखन कला का सूत्रपात किया। जैन आगमों को पुस्तकारूढ़ करने में आचार्य देवर्धि क्षमा श्रमण का ऐतिहासिक योगदान है। सुभद्रा लुणावत ने कहा कि जैसा अच्छा व्यवहार हम स्वयं के लिए चाहते हैं, वैसा ही दूसरों के प्रति करें, यह अणुव्रत है। उन्होंने सबको इस संप्रदायमुक्त आंदोलन से जुड़ने का आह्वान किया।

सभा में श्री श्वे.स्था. जैन संघ, ओसवाल गार्डन के अध्यक्ष गौतम श्रीमाल एवं अणुव्रत समिति की अध्यक्ष सुभद्रा का सम्मान किया गया।

संघ मंत्री पृथ्वीराज बागरेचा ने धन्यवाद दिया। धर्मसभा में रत्नसंघ के पूर्व कार्याध्यक्ष नरेन्द्र कांकरिया, संघ कोषाध्यक्ष जितेन्द्र भंडारी, रेणु अबानी, सुशील फूलफगर सहित बड़ी संख्या में श्रावक श्राविकाओं की उपस्थिति रहीं। 24 अप्रैल को नेहरू बाजार जैन स्थानक में मुनि का व्याख्यान होगा।

आदर्श हाईस्कूल का शत-प्रतिशत रहा एसएसएलसी परिणाम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय आदर्श विद्या संघ द्वारा संचालित केएचएस आदर्श हाईस्कूल ने इस वर्ष एसएसएलसी परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए शत-प्रतिशत परिणाम हासिल किया है। विद्यालय के कुल 41 विद्यार्थियों में से सभी ने प्रथम श्रेणी में सफलता प्राप्त की, जो एक सराहनीय उपलब्धि है। इस वर्ष 17 विद्यार्थियों ने डिस्टिंक्शन प्राप्त कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। विषयवार परिणाम में हिंदी में 28 विद्यार्थियों ने डिस्टिंक्शन, सामाजिक विज्ञान में 23, विज्ञान में 11, गणित में 10, कन्नड़ में 9 तथा अंग्रेजी में 32 विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट अंक प्राप्त किए। विशेष रूप से छात्रा कृषा जैन और छात्र आकाश ने हिंदी में 100 में से 100 अंक प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। विद्यालय की प्राचार्य डॉ. प्रज्ञा यादव ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने इस सफलता का श्रेय शिक्षकों के समर्पण, प्रबंधन के सहयोग और विद्यार्थियों की मेहनत को दिया।

धार्मिक व्यक्ति वही जो व्यवहार से नैतिक भी हो : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोप्पल। शहर के बन्नीकोप्पा के सरकारी पीयू कॉलेज में गुरुवार को श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि धर्म की बातें करना एवं धार्मिक होने का दिखावा करना सरल है। समय समय पर मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा, चर्च या मठों में जाना, मत्था टेकना भी कठिन नहीं है, लेकिन दूसरों के प्रति अपने व्यवहार और विचारों में नैतिक रहना मनुष्य की सबसे बड़ी परीक्षा है। नैतिक मूल्यों का जतन अंतर्मन की स्वीकृति है। बाह्य जगत की परिस्थितियां, मनुष्य का स्वभाव और व्यवहार अक्सर नैतिक मूल्यों पर हावी हो जाते हैं। अच्छे अच्छे लोग वहां फिसल जाते हैं। जैनाचार्य ने कहा कि विषम और विकट परिस्थितियों में मनुष्य के धार्मिक होने की बात दांव पर लग जाती है। जब धर्म के उपदेश और नैतिक मूल्यों को छोड़कर हम तत्कालीन स्वार्थ या लाभ का आंकलन करने बैठ जाते हैं, इसलिए भगवान महावीरस्वामी ने कहा है कि धार्मिकता और नैतिकता भिन्न-भिन्न नहीं हो सकती। धार्मिक वही हो सकता है जो अपने जीवन में नैतिक भी हो। विभिन्न रूपों में धर्म की आराधना-उपासना करना, अपने-अपने धर्म के प्रतीकों, त्योहारों, मान्यताओं को लेकर चलना सर्वथा अलग तथ्य है। दूसरी ओर अपने विचारों, कार्यों, व्यवहारों और नीतियों से प्रामाणिक, सरल, शांत, दयालु, सद्भावना पूर्ण और पवित्र होना मानवीय जीवन मूल्यों का द्योतक है। धार्मिक होने का यह जीवंत रचनात्मक रूप है। ऐसी धार्मिकता किसी के लिए समस्या नहीं होती। ङ्गआचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि धर्म मनुष्य के जीवन में सार्थक बनना चाहिए। सामने वाले व्यक्ति को हमारे धार्मिक होने की प्रतीति होनी चाहिए। यदि धर्म मनुष्य के जीवन की सात्विकता और परिवर्तन का आधार नहीं बनता है तो उसकी उपयोगिता ही सिद्ध नहीं होगी। फिर तो धर्म सिर्फ प्रतीकात्मक, निष्प्रभावी और जड़तापूर्ण उपक्रम बनकर रह जाएगा। हकीकत में धर्मतत्व इस पृथ्वी पर मनुष्य जाति को मिला अमूल्य वरदान है। हमें संप्रदायों और मान्यताओं की संकीर्णताओं से ऊपर उठकर शुद्ध धर्मतत्व की रक्षा और उपासना करनी चाहिए।

उपाध्यायश्री केवलमुनि का 32वां पुण्यस्मरण दिवस 26 को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय गुरु केवल भक्त परिवार के तत्वावधान में रविवार को दोड्डनिकुन्दी बेंगलूरु गौरक्षण शाला परिसर में स्थित केवल आराधना स्थल पर उपाध्यायश्री केवलमुनिजी का 32 वां पुण्य स्मरण दिवस दो-दो सामायिक साधना के साथ मनाया जाएगा। केवलमुनिजी का वैशाख शुक्ल दशमी को बेंगलूरु के शूले जैन स्थानक में देवलोक गमन हुआ था।

उनका अंतिम चातुर्मास अलसूर में हुआ था। पुण्य स्मरण प्रसंग पर आयोजित कार्यक्रम में श्रमण संघीय मंत्री श्री कमलमुनिजी कमलेश, समकित मुनिजीएवं साध्वीश्री मनीषाजी आदि अपना सान्निध्य प्रदान करेंगे। उत्तमचंद राकेशकुमार कोठारी परिवार इस आयोजन के लाभार्थी है। कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने हेतु श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए अनेक उपनगरों से बसों की व्यवस्था की गई है।

छल्लानी ज्वेलरी मार्ट ने मनाई 13वीं वर्षगांठ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मदुरै और पॉन्डी स्थित छल्लानी ज्वैलरी मार्ट ने हाल ही में पंचतारा होटल में धूमधाम से अपनी 13वीं वर्षगांठ मनाई।

इस समारोह में आईपीएस रवि, इसारी गणेश, विक्रमराजा, वरदराजन, सौभाग्या, जयंतीलाल छल्लानी, हेमलता जयंतीलाल, ऋषभ छल्लानी, गौतम छल्लानी, श्रीपाल चल्लानी और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। संगठन के विकास में योगदान देने वाले 52 कर्मचारियों को टेलीविजन, वाशिंग मशीन और रेफ्रिजरेटर भेंट कर सम्मानित किया गया और 8 कर्मचारियों को 15 लाख रुपये मूल्य के भूखंड भेंट किए गए। इरोड मगेष और रामकृष्णन ने अपने प्रभावशाली भाषणों से सभा को संबोधित किया।

कर्मचारियों ने अपने नृत्य प्रदर्शन से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। पूरा दिन मस्ती, उपलब्धियों और सम्मान से भरपूर रहा। उपाध्यक्ष इलायाराजा ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

महिला मंडल विजयनगर द्वारा संगठन यात्रा का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर द्वारा बुधवार को चंद्रा लेआउट स्थित सीमा कोठारी के निवास पर संगठन यात्रा का आयोजन किया गया जिसमें क्षेत्र के आसपास की सदस्याएं शामिल हुई। उपाध्यक्ष सुमित्रा बरड़िया ने सदस्याओं का स्वागत करते हुए मंडल की गतिविधियों के बारे में बताया। मंत्री सरिता छाजेड़ ने सदस्याओं को केन्द्रीय महिला मंडल द्वारा आयोजित होने वाले ऑनलाइन कार्यक्रमों की जानकारी दी तथा सभी को उससे जुड़ने का आह्वान किया। इस यात्रा में तीन युवतियों को मंडल का सदस्य बनाया गया।

श्रेयांस पारणा समिति ने पारणा उत्सव सहयोगियों का किया सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय एलएनपुरम श्रीरामपुरम स्थित जेपीपी जैन समणी सेंटर में श्रेयांस पारणा समिति द्वारा एकांतर वर्षीतप आराधकों के अक्षय तृतीया पारणा महोत्सव में सेवा देने वाले विभिन्न संघ, संस्थाओं एवं मंडलों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समिति के अध्यक्ष रमेशचंद सियाल ने सभी का स्वागत किया। प्रचार प्रसार प्रभारी जेके महावीरचंद चोरड़िया ने कहा कि इस कार्यक्रम को सफल बनाने में विभिन्न संघ संस्था और मंडलों की महत्वपूर्ण सेवा रही जिनमें विशेष उल्लेखनीय रूप से जैनम लक्ष्मीनारायणपुरम ट्रस्ट, जैन कॉन्फ्रेंस युवा शाखा, सकल जैन युवा संघ एवं मंडल मंजुनाथ नगर, जेपीपी जैन महिला फाउंडेशन एवं युवा फाउंडेशन, जैन युवक मंडल एवं महिला मंडल हलसूरु, जैन सामूहिक सेवा मंडल, अर्हम विज्ञा आनंद तीर्थ महिला मंडल, मरुधर केसरी सेवा समिति, जैन महिला मंडल पैलेस गुट्टहल्ली, रायचूर संघ बेंगलूरु, वर्धमान स्थानकवासी जैन युवा संघ राजाजीनगर, पूनम सामायिक मंडल एलएनपुरम, त्रिशला महिला मंडल एवं बहू मंडल राजाजीनगर, गुरु सातम सामायिक मंडल एवं पूजा मंडल, जैन युवा नारी शक्ति मंडल ट्रस्ट, अंबेश गुरु युवा मंडल, वर्धमान स्थानकवासी जैन युवक मंडल अक्कीपेट, मल्लेश्वरम जैन युवक मंडल, ब्राह्मी कन्या मंडल, वीर बैंड मंडल, विमल शांति महिला मंडल एलएनपुरम, जैन महिला मंडल शिवाजीनगर, वर्धमान स्थानकवासी जैन युवा संघ आदि की अनुकरणीय सेवाएं रही।

समिति के पदाधिकारी राजेंद्रकुमार नाहर, भंवरलाल चोरड़िया, महावीरचंद श्रीश्रीमाल, उत्तमचंद कोठारी, महेंद्रकुमार चौरड़िया, पदमचंद रातड़िया, रोशनलाल नाहर, प्रकाशचंद टोडरवाल, रमेशकुमार गुगलिया आदि ने संघ, संस्थाओं का सम्मान किया तथा सभी को धन्यवाद दिया।

मतदान — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर में गुरुवार को पूनम सरकारी गर्ल्स हाई स्कूल में राजस्थानी संघ के अध्यक्ष संतोष मुंद्रा, सचिव प्रदीप करनानी, विप्रो फाउंडेशन के सर्वन बोहरा और अन्य लोगों ने तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में अपना वोट डाला।

सोडियम की अधिकता, फलों की कम मात्रा के चलते 2023 में 59 लाख लोगों की हृदय रोग से मृत्यु हुई

नई दिल्ली/भाषा। सोडियम की अधिकता, फलों की कम मात्रा और साबुत अनाज की कमी वाले आहार के कारण 2023 में विश्व में 59.1 लाख लोगों की हृदय संबंधी रोगों से मौत हुई। यह बात एक अध्ययन में कही गई है। चीन के बीजिंग चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल के अनुसंधानकर्ताओं सहित अन्य अनुसंधानकर्ताओं ने 'ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज स्टडी 2023' के आंकड़ों का विश्लेषण किया और 33 वर्षों की अवधि में 13 आहार संबंधी जोखिम कारकों का मूल्यांकन किया।

खान-पान संबंधी हृदय रोगों से होने वाली मौतों की कुल संख्या चीन में सबसे अधिक 13.6 लाख थी, जबकि भारत में यह संख्या 11.1 लाख थी। 'इनोवेशन न्यूट्रिशन' नामक पत्रिका में प्रकाशित विश्लेषण से यह भी पता चला है कि 'इस्केमिक' हृदय रोग और 'स्ट्रोक' खराब खान-पान की आदतों के प्राथमिक परिणाम हैं।

इस अध्ययन में एक स्पष्ट लैंगिक अंतर को भी उजागर किया गया, जिसमें लगभग सभी क्षेत्रों में पुरुषों को महिलाओं की तुलना में आहार संबंधी समस्याओं का अधिक सामना करना पड़ा।

बीजिंग चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल के बिग डेटा सेंटर से संबद्ध गुओशुआंग फेंग ने कहा, हमारे निष्कर्ष इस बात पर जोर देते हैं कि आहार की गुणवत्ता में सुधार वैश्विक हृदय रोग निवारण का एक मुख्य विषय होना चाहिए। फेंग ने कहा, बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के कारण मृत्यु दर में गिरावट देखने को मिल रही है, लेकिन कुल मिलाकर इसका बोझ बहुत बड़ा है...।

अनुसंधानकर्ताओं ने लिखा कि वैश्विक स्तर पर, सोडियम का अधिक सेवन हृदय संबंधी बीमारियों का प्रमुख कारण था। इसके बाद फलों और साबुत अनाज की कमी वाला आहार था जिसके कारण कई लोग इस बीमारी की चपेट में आ गए।

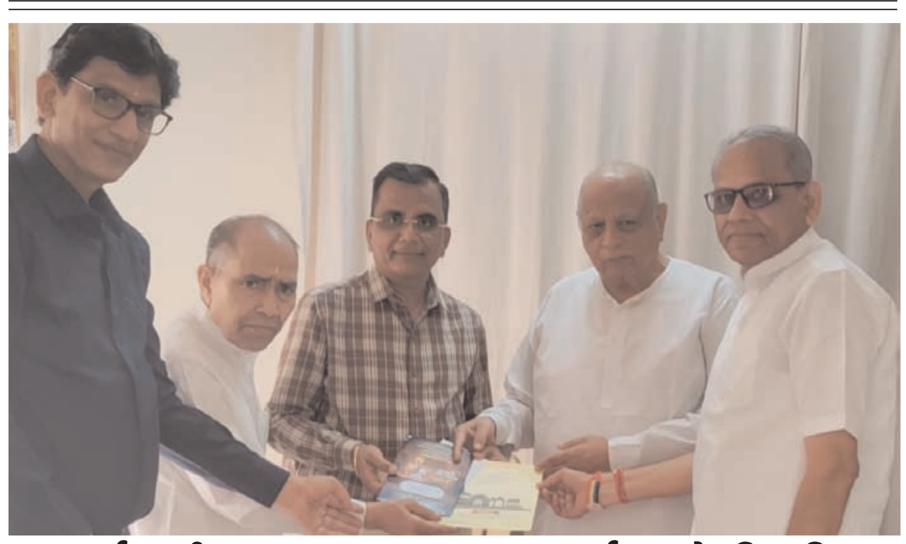

आचार्य पदवी, पारणा व सहस्त्रावधान कार्यक्रम के लिए किया आमंत्रित-पन्यास कुशलमुनि को आचार्य पदवी जून में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। गुरुवार को खरतरगच्छीय संतश्री मोहनलालजी के समुदायवर्ती पन्यासश्री वीरभद्रमुनिजी (विरागमुनि) के 114 दिन के उपवास की उग्र तपस्या आगे निरंतर जारी है। बसवनगुड़ी दादावाड़ी संघ के ललित डाकलिया ने बताया कि रायपुर छत्तीसगढ़ की ओर विहाररत विरागमुनिजी अभी तक 171, 121, 65 दिन के उपवास एवं कई अन्य छोटी-बड़ी तपस्याएं कर चुके है और इस बार उनकी 114 दिनों और आगे के उपवास की तपस्या जारी है। अरविन्द कोठारी ने बताया कि विरागमुनिजी के गुरु गणाधीश पन्यासश्री विनय कुशलमुनिजी को गणिवर्य से आचार्य पदवी भी आगामी जून माह में रायपुर छत्तीसगढ़ में प्रदान की जाएगी। इसी दिन 13 वर्षीय शतावधानी हंसभद्रमुनिजी द्वारा सहस्त्रावधान व तपस्या पारणे का कार्यक्रम रायपुर में आयोजित किया जा रहा है। इस त्रिअवसरीय कार्यक्रम में बेंगलूरु संघ को आमंत्रित करने के लिए रायपुर के आचार्य पदवी महोत्सव समिति के गौतमचंद डाकलिया व अन्य पदाधिकारियों ने गुरुवार को शहर के बसवनगुड़ी स्थित जिनकुशल दादावाड़ी परिसर में दादावाड़ी के पदाधिकारियों को आमंत्रित किया और रायपुर आने का न्यौता दिया

तमिलनाडु चुनाव में राजग विजेता बनकर उभरेगा : भाजपा नेता वानति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयंबटूर। भाजपा की वरिष्ठ नेता और कोयंबटूर उत्तर से उम्मीदवार वानति श्रीनिवासन ने बृहस्पतिवार को विश्वास जताया कि ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के नेतृत्व वाला राजग तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में विजयी होगा। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए 234 विधानसभा क्षेत्रों में बृहस्पतिवार को मतदान जारी है। श्रीनिवासन ने तमिलनाडु के पश्चिमी शहर में अपना वोट डालने के बाद कहा कि लोग सरकार परिवर्तन के लिए उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में युवा और महिलाएं मतदान में हिस्सा ले रही हैं। उन्होंने कहा, ''यह स्पष्ट है कि राजग सत्ता में आएगा।''

उन्होंने सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) पर मतदाताओं को रिश्वत देने का आरोप लगाया और दावा किया ''मेरे निर्वाचन क्षेत्र में प्रत्येक मतदाता को 2,000 रुपये दिए गए।'' भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की महिला मोर्चा की प्रमुख ने यह भी आरोप लगाया कि द्रमुक ने पिछले पांच वर्षों में कोयंबटूर के लिए कुछ नहीं किया। उन्होंने पूछा, ''जब उन्हें अपनी कल्याणकारी योजनाओं पर पूरा भरोसा है तो वे मतदाताओं को पैसा क्यों बांटेंगे?'' उन्होंने यह भी दावा किया कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के लिए समर्थन हर बढ़ रहा है और कोयंबटूर के सभी निर्वाचन क्षेत्रों में उसे जीत हासिल होगी। उन्होंने कहा, ''यहां हमें पूरे दस में से दस अंक मिलेंगे।''

चीनी राजदूत ने शहबाज शरीफ से मुलाकात की, पश्चिम एशिया की स्थिति पर चर्चा हुई

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान में नियुक्त चीन के राजदूत जियांग जैदोंग ने बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात की तथा पश्चिम एशिया की स्थिति और अमेरिका-ईरान युद्ध को समाप्त करने के लिए इस्लामाबाद के शांति प्रयासों पर चर्चा की। राजदूत जियांग ने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से शिष्टाचार भेंट की। बैठक में उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार के अलावा योजना, विकास एवं विशेष पहल मंत्री अहसान इकबाल और सूचना मंत्री अताउल्ला तरार भी उपस्थित थे। यह बैठक, पाकिस्तान द्वारा तेहरान और वाशिंगटन को दूसरे दौर की वार्ता के लिए बातचीत की मेज पर लाने के उद्देश्य से किए जा रहे राजनयिक प्रयासों के बीच हुई।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.